2. संभववाद—फ्रांसीसी विडाल-ला-ब्लॉश को संभववाद का जनक माना जाता है। इनके अनुसार मानव प्रकृति के तत्वों को चुनने में स्वतंत्र है। उसने प्रकृति से प्राप्त संसाधनों से अनेक संभावित विकास किये। प्रकृति पर मानव प्रयासों की सफलता ही संभववाद है।

3. नव निश्चयवाद—यह ग्रिफीथ टेलर की संकल्पना है। इसमें प्रकृति के मानवीकरण और मानव के प्रकृतिकरण की चर्चा ही मुख्य आधार है। प्रकृति मानव पर नियंत्रण नहीं, अपितु प्रभाव डालती है। मानव भी अपने विकास से प्रकृति को प्रभावित करता है। जैसे—भूमंडलीय ताप वृद्धि, हिमानियों का पीछे हटना, निम्नकृत भूमि का विकास आदि। नव निश्चयवाद इन्हीं संकल्पनाओं में संतुलन बनाने का प्रयास करता है। यह सर्वाधिक तर्क संगत विचारधारा है।

तार्किक एवं समझ पर आधारित प्रश्न

प्रश्न 1. मानव भूगोल की प्रकृति एवं विषय क्षेत्र को समझाइये।

उत्तर—मानव भूगोल के अन्तर्गत प्रकृति जनित वातावरण एवं मानव निर्मित सामाजिक एवं सांस्कृतिक पर्यावरण का अध्ययन मानव द्वारा की गई अन्योन्य क्रिया के सन्दर्भ में किया जाता है, क्योंकि प्रकृति द्वारा प्रदत्त तत्व जैसे—भू-आकृति, मृदाएँ, प्राकृतिक-वानस्पतिक एवं जल आदि पर मानव ने सांस्कृतिक वातावरण जैसे—गृह, सड़क, रेल, बाँध, उद्योग, पत्तन आदि का निर्माण अपने कार्यकलापों द्वारा किया जाता है। यही कारण है कि मानव एवं वातावरण की पारस्परिक क्रियाओं एवं प्रतिक्रियाओं के फलस्वरूप सांस्कृतिक वातावरण का निर्माण एवं विकास होता है।

सांस्कृतिक तत्वों की व्याख्या करने पर मानव और प्राकृतिक वातावरण का संबंध स्पष्ट हो जाता है। मानवीय क्रियाओं एवं प्राकृतिक वातावरण की दशाएँ परिवर्तनशील हैं। अतः इनका पारस्परिक संबंध भी परिवर्तनशील है। मानव और प्राकृतिक वातावरण के इस पारस्परिक परिवर्तनशील संबंध का विस्तृत अध्ययन ही मानव भूगोल की प्रकृति है।

मानव भूगोल के विषय एक ही विचारधारा स्पष्ट रूप से प्राप्त होती है कि मानव भूगोल वह विज्ञान है जिसके अध्ययन का एक पक्ष मानव और दूसरा पक्ष उसके प्राकृतिक वातावरण की शक्तियाँ एवं उनका प्रभाव है। इस प्रकार यह स्पष्ट हो जाता है कि मानव भूगोल के अन्तर्गत किसी प्रदेश के मानव समुदाय एवं उनके प्राकृतिक वातावरण की शक्तियों एवं प्रभावों तथा दोनों पक्षों की पारस्परिक प्रतिक्रियाओं का अध्ययन किया जाता है, क्योंकि किसी भी प्रदेश में निवास करने वाले मानव समुदायों तथा वहाँ के प्राकृतिक और सांस्कृतिक वातावरण में परस्पर कार्यात्मक संबंध होता है।

●●

इकाई 2

अध्याय 2

विश्व जनसंख्या—वितरण, घनत्व और वृद्धि

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. **निम्नलिखित में से कौन-सा एक विरल जनसंख्या वाला क्षेत्र नहीं है—**
   (a) अटाकामा (b) भूमध्यसागरीय प्रदेश (c) दक्षिण-पूर्वी एशिया (d) ध्रुवीय प्रदेश।
2. **उत्तरी पश्चिमी यूरोप है—**
   (a) विकसित क्षेत्र (b) अविकसित क्षेत्र (c) विकासशील क्षेत्र (d) पिछड़ा क्षेत्र।
3. **निम्नलिखित में से कौन-सा एक प्रतिकर्ष कारक नहीं है—**
   (a) जलाभाव (b) बेरोजगारी
   (c) चिकित्सा/शैक्षणिक सुविधायें (d) महामारियाँ।

Scanned with CamScanner

4. 50° उत्तरी अक्षांश को जनसंख्या की धुरी कहते हैं—
   (a) एशिया में (b) यूरोप में (c) अमेरिका में (d) अफ्रीका में।
5. निम्नलिखित में से कौन-सा एक तथ्य सही नहीं है—
   (a) विगत 500 वर्षों में जनसंख्या 10 गुना से अधिक बढ़ी है
   (b) विश्व जनसंख्या में प्रतिवर्ष 8 करोड़ लोग जुड़ जाते हैं
   (c) 5 अरब से 6 अरब तक बढ़ने में जनसंख्या को 100 वर्ष लगे
   (d) जनांकीय संक्रमण की प्रथम अवस्था में जनसंख्या वृद्धि उच्च होती है।

उत्तर— 1. (c), 2. (a), 3. (c), 4. (b), 5. (a).

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. .... महाद्वीप में जनसंख्या वृद्धि सर्वाधिक है।
2. विश्व का औसत जनसंख्या घनत्व .... है।
3. किसी क्षेत्र में प्रति हजार पुरुषों के पीछे स्त्रियों की संख्या को .... कहते हैं।
4. तीव्र जनसंख्या वृद्धि की स्थिति को .... कहते हैं।
5. विकसित देशों में जीवन प्रत्याशा .... है।

उत्तर— 1. एशिया, 2. 333, 3. लिंगानुपात, 4. जनसंख्या विस्फोट, 5. 72.

प्रश्न 3. उचित संबंध जोड़िये—

(अ)	(ब)
1. शिशु मृत्यु दर	(a) 15% निवासरत्
2. जीवन प्रत्याशा	(b) जनसंख्या परिवर्तन का कारण
3. दक्षिणी गोलार्द्ध में जनसंख्या	(c) तीव्र जनसंख्या वृद्धि
4. मानव प्रवास	(d) एक वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु
5. जनसंख्या विस्फोट	(e) औसत आयु।

उत्तर—1. (d), 2. (e), 3. (a), 4. (b), 5. (c).

प्रश्न 4. सत्य/असत्य चुनकर लिखिये—

1. जनसंख्या किसी राष्ट्र का वास्तविक धन है।
2. विश्व की आधे से अधिक जनसंख्या दक्षिण पूर्वी एशिया में निवास नहीं करती।
3. पठारी एवं पर्वतीय प्रदेश की मिट्टी अधिक उपजाऊ होती है।
4. वनस्पति एवं प्राणी के लिये जल अनिवार्य नहीं है।
5. यूरोप के औद्योगिक प्रदेश सघन बसे हैं।

उत्तर—1. सत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. असत्य, 5. सत्य।

प्रश्न 5. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए—

1. विश्व जनसंख्या दिवस कब मनाया जाता है ?
2. विश्व की कितनी जनसंख्या उत्तरी गोलार्द्ध में निवास करती है ?
3. विगत 500 वर्षों में जनसंख्या कितने गुना बढ़ी है ?
4. तीव्र जनसंख्या वृद्धि से मुख्य समस्या कौन-सी उत्पन्न हुई है ?
5. जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में भारत का कौन-सा स्थान है ?

उत्तर—1. 11 जुलाई को, 2. 85% , 3. दस गुना, 4. बेरोजगारी, 5. दूसरा।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. जनसंख्या के घनत्व को प्रभावित करने वाले तीन कारक बताइये। (NCERT)

उत्तर—जनसंख्या का असमान वितरण एवं घनत्व अनेक कारकों से प्रभावित होता है। जनसंख्या के घनत्व को प्रभावित करने वाले तीन कारक—भौतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक मुख्य हैं।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 2. संसार के अत्यंत कम घनी आबादी वाले क्षेत्रों के नाम लिखिए। (NCERT)

उत्तर—संसार के अत्यंत कम घनी आबादी वाले क्षेत्र उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव के निकट, उष्ण और शीत मरुस्थल तथा विषुवत रेखा के निकट हैं।

प्रश्न 3. जनसंख्या विस्फोट से आप क्या समझते हैं ? (NCERT)

उत्तर—किसी स्थान पर तेजी से जनसंख्या का बढ़ना ही जनसंख्या विस्फोट कहलाता है।

प्रश्न 4. जनसंख्या घनत्व किसे कहते हैं ? (NCERT)

उत्तर—एक वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या को जनसंख्या का घनत्व कहते हैं।

इसका सूत्र है—जनसंख्या घनत्व $= \frac{\text{प्रदेश की कुल जनसंख्या}}{\text{प्रदेश का कुल क्षेत्रफल}}$

प्रश्न 5. विश्व में जनसंख्या का औसत घनत्व क्या है ? (NCERT)

उत्तर—विश्व में जनसंख्या सर्वत्र समान नहीं है। विश्व में जनसंख्या का औसत घनत्व 333 प्रति वर्ग किमी है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. विश्व में उच्च जनसंख्या घनत्व वाले अनेक क्षेत्र हैं ? ऐसा क्यों होता है ? (NCERT)

उत्तर—विश्व में उच्च जनसंख्या उन्हीं भागों में पायी जाती है जहाँ समतल मैदानी भाग, उपजाऊ मिट्टी, अनुकूल जलवायु, जल की प्राप्ति और आर्थिक विकास पर्याप्त हो। विश्व में अनेक क्षेत्र इस प्रकार के हैं जिनमें पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका, दक्षिण पूर्वी एशिया, आस्ट्रेलिया का मैदानी भाग है जहाँ जनसंख्या का घनत्व अधिक पाया जाता है।

प्रश्न 2. अंतर स्पष्ट कीजिए—(i) जन्म दर और मृत्यु दर। (NCERT)

उत्तर—जन्म दर और मृत्यु दर में अन्तर—

जन्म दर	मृत्यु दर
1. प्रति हजार बच्चों पर एक वर्ष में जीवित बच्चों की संख्या जन्म दर है।	1. प्रति हजार व्यक्तियों पर एक वर्ष में मृत होने वाले व्यक्तियों की संख्या मृत्युदर है।
2. जन्मदर से जनसंख्या बढ़ती है।	2. मृत्युदर से जनसंख्या घटती है।
3. जन्मदर को नियंत्रित कर सकते हैं।	3. मृत्युदर को भी नियंत्रित करने के उपाय चल रहे हैं।

(ii) प्रवास के प्रतिकर्ष और अपकर्ष कारक। (NCERT)

उत्तर—प्रवास के प्रतिकर्ष और अपकर्ष कारक में अन्तर—

प्रवास के प्रतिकर्ष कारक	प्रवास के अपकर्ष कारक
1. बेरोजगारी की समस्या	1. काम के अच्छे अवसर मिलना
2. जीवनयापन की निम्न दशाएँ	2. जीवनयापन की उत्तम व्यवस्था
3. राजनीतिक अव्यवस्था	3. शांति और स्थायी जीवन
4. प्रतिकूल जलवायु, प्राकृतिक दशाएँ।	3. अनुकूल जलवायु, विकास के अवसर।

प्रश्न 3. जनसंख्या विकास में मानवीय कारकों का क्या योगदान है ?

उत्तर—जनसंख्या विकास में औद्योगीकरण, नगरीकरण, आर्थिक विकास, परिवहन और कुछ सामाजिक कारक हैं जो जनसंख्या के विकास के मानवीय कारकों का आधार हैं।

प्रश्न 4. उच्च जनसंख्या घनत्व वाले प्रदेशों का आधार क्या है ?

उत्तर—उच्च जनसंख्या घनत्व वाले प्रदेशों में द. पूर्व एशिया, उ. पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका, पश्चिमी यूरोप हैं। इसमें एशिया में कृषि तथा अमेरिका और यूरोप औद्योगीकरण उच्च जनसंख्या घनत्व का मुख्य आधार है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 5. अप्रवास नीति किस देश के सरकार की नीति है ? दक्षिण पूर्वी एशिया में उच्च जनसंख्या घनत्व का क्या कारण है ?

उत्तर—अप्रवास नीति आस्ट्रेलिया सरकार की नीति है। दक्षिण पूर्वी एशिया में उच्च जनसंख्या घनत्व का कारण—कृषि योग्य भूमि, नदी घाटियाँ, मानसूनी जलवायु, औद्योगीकरण जैसी सुविधायें होने के कारण इन भागों में जनसंख्या घनत्व अधिक है।

प्रश्न 6. विश्व में विगत 50 वर्षों में जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ी है क्यों ?

उत्तर—विश्व में विगत 50 वर्षों में जीवनोपयोगी औषधियों के कारण मृत्यु दर घट गयी है। विज्ञान, औद्योगीकरण, जीवन सुरक्षा आदि के कारण जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ी है।

प्रश्न 7. दक्षिण पूर्वी एशिया में सघन जनसंख्या के क्या कारण हैं ?

उत्तर—दक्षिण पूर्वी एशिया में सघन जनसंख्या के कारण—(1) नदी घाटियों का विस्तार, (2) कृषि योग्य भूमि की अधिकता, (3) चावल की बहुतायत कृषि, (4) कृषि श्रमिकों की बहुलता, (5) जलवायु मानव विकास अनुकूल, (6) तीव्र विकास, औद्योगीकरण, (7) राजनैतिक सुरक्षा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. विश्व में जनसंख्या के वितरण और घनत्व को प्रभावित करने वाले कारकों की विवेचना कीजिए।

उत्तर—विश्व में जनसंख्या के वितरण और घनत्व को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक निम्नलिखित हैं—

(1) भौतिक कारक—(अ) उच्चावच—पहाड़ी भागों की अपेक्षा समतल मैदानी भागों में जनसंख्या घनत्व अधिक रहता है। जैसे—गंगा-यमुना का मैदान घना बसा है।

(ब) जलवायु—स्वास्थ्य वर्धक, कृषि योग्य, मानव विकास के अनुकूल जलवायु प्रदेशों में जनसंख्या घनी बसी होती है। जैसे—पश्चिमी यूरोप, दक्षिण पूर्वी एशिया।

(स) मिट्टी—उष्ण, शुष्क मरुस्थल और बंजर भूमि पर आबादी निवास नहीं करती किन्तु उपजाऊ नदी के क्षेत्र सघन आबाद रहते हैं।

(द) खनिज—खनिजों की प्राप्ति जहाँ है वहाँ का विकास अधिक होता है। जैसे—भारत का झारखंड क्षेत्र।

(2) सांस्कृतिक कारक—सांस्कृतिक कारक भी जनसंख्या के वितरण एवं घनत्व को प्रभावित करते हैं। मुस्लिम बहुल क्षेत्रों की जनसंख्या अधिक है। पिछड़े क्षेत्रों में पुत्र की चाह में आबादी बढ़ती जाती है।

(3) आर्थिक कारक—जिन भागों का आर्थिक विकास हुआ है वहाँ जनसंख्या का घनत्व भी अधिक है। औद्योगीकरण, नगरीकरण, आर्थिक विकास जनसंख्या को बहुत प्रभावित करते हैं। रोजगार, व्यवसाय, नगरीय आकर्षण जनसंख्या को बढ़ाता है।

(4) राजनैतिक कारक—राजनैतिक स्थायित्व एवं शांतिमय वातावरण विकास में सहायक होता है। उपद्रव, युद्ध, अशांति से जनसंख्या घटती जाती है। दक्षिण पूर्वी एशिया, पश्चिमी यूरोप, उत्तर-पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका में जन घनत्व अधिकता के यही कारण हैं।

प्रश्न 2. विकसित और विकासशील देशों में जनसंख्या में अन्तर का कारण बताइये।

उत्तर—विकसित और विकासशील देशों में जनसंख्या में अन्तर का कारण—

विकसित देश	विकासशील देश
1. आश्रित जनसंख्या कम	1. आश्रित जनसंख्या अधिक
2. कार्यशील जनसंख्या अधिक	2. कार्यशील जनसंख्या कम
3. जीवन स्तर ऊँचा	3. जीवन स्तर निम्न
4. जीवन प्रत्याशा ऊँची	4. जीवन प्रत्याशा सामान्य
5. विकास का आधार औद्योगीकरण	5. विकास का आधार कृषि।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 3. देश के आर्थिक विकास पर जनसंख्या वृद्धि के प्रभावों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—जनसंख्या की तीव्र वृद्धि का देश के आर्थिक विकास पर बहुत प्रभाव पड़ रहा है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या अनेक समस्याओं को जन्म दे रही है। इसके मुख्य प्रभाव इस प्रकार हैं—

(1) बेरोजगारी की समस्या—बढ़ती हुई आबादी को रोजगार देना संभव नहीं हो पा रहा है जिससे आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक समस्यायें जन्म ले रही हैं।

(2) जीवन स्तर में गिरावट—सीमित संसाधन बढ़ती आबादी में इतने बँट जाते हैं कि पर्याप्त पूर्ति नहीं हो पाती, जीवन स्तर में गिरावट आ जाती है।

(3) शिक्षा और स्वास्थ्य—बढ़ती आबादी के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य की पर्याप्त पूर्ति संभव नहीं हो पाती।

(4) गन्दगी का विकास—नगरों में अप्रत्याशित आबादी का विस्तार अनेक असुविधाओं को जन्म देता है। सघन बस्तियाँ, सीमित आवास के कारण गंदगी तेजी से बढ़ रही है।

(5) कृषि भूमि पर दबाव—प्रति व्यक्ति भूमि कम हो रही है, उत्पादन घट रहा है। आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। कृषि की उन्नति नहीं हो रही है। प्रति हेक्टेयर कम उत्पादन से गरीबी का जन्म हो रहा है।

(6) संसाधनों का तीव्र शोषण—प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। लोग अधिक और संसाधन सीमित होते जा रहे हैं। इससे मकान, भोजन आदि की समस्यायें बढ़ रही हैं।

(7) प्रदूषण का खतरा—तीव्र जनसंख्या वृद्धि के कारण नगरों में जल, वायु, भूमि सभी प्रदूषित हो रहे हैं। इसका स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। ध्वनि प्रदूषण भी तेजी से स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है।

(8) तीव्र जनसंख्या वृद्धि से राष्ट्रीय आय में कमी आ रही है। इससे विकास कार्यक्रम प्रभावित हो रहे हैं।

प्रश्न 4. जनांकिकीय संक्रमण की तीन अवस्थाओं की विवेचना कीजिए। (NCERT)

उत्तर—जनांकिकीय संक्रमण का संबंध जन्मदर एवं मृत्युदर से होता है। इस सिद्धान्त की तीन अवस्थायें इस प्रकार हैं—

(i) प्रथम अवस्था में जन्मदर एवं मृत्युदर दोनों उच्च होती है। जिससे वृद्धि दर कम रहती है। जैसे—बांग्लादेश।

(ii) द्वितीय अवस्था में मृत्युदर कम होती है एवं जन्मदर में धीरे-धीरे कमी होती जाती है, जिससे जनसंख्या वृद्धि दर उच्च हो जाती है। जैसे—श्रीलंका, केन्या, पेरू आदि देश।

(iii) तृतीय अवस्था में जन्मदर और मृत्युदर दोनों में कमी आ जाती है जिससे जनसंख्या वृद्धि दर शून्य हो जाती है। जैसे—जापान, कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका आदि।

प्रश्न 5. विश्व में घनी जनसंख्या वाले क्षेत्रों को बताइये, उनके कारणों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

उत्तर—विश्व में घनी जनसंख्या वाले क्षेत्रों में दक्षिण पूर्वी एशिया, उत्तर पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका, पश्चिमी तथा मध्यवर्ती यूरोप मुख्य हैं।

घनी जनसंख्या के कारण—

1. दक्षिण पूर्वी एशिया—(1) उष्ण आर्द्र मानसूनी जलवायु, विस्तृत नदी मैदान, उपजाऊ मिट्टी, (2) सिंचाई एवं कृषि की अधिकता (3) बहुपोषित चावल का उत्पादन, (4) खनिजों की उपलब्धि, (5) मत्स्य विकास।

2. उत्तर पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका

3. पश्चिमी तथा मध्यवर्ती यूरोप—(1) समशीतोष्ण स्वास्थ्यवर्धक जलवायु, (2) वाणिज्य, उद्योग और व्यापार की प्रगति, (3) उन्नत एवं मिश्रित कृषि, (4) वैज्ञानिक विकास, (5) खनिजों की बहुलता, (6) तीव्र औद्योगीकरण, (7) उच्च जीवन स्तर।

Scanned with CamScanner

तार्किक एवं समझ पर आधारित प्रश्न

प्रश्न 1. विश्व जनसंख्या वृद्धि की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

उत्तर—वर्तमान में विश्व जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि हो रही है। बावजूद इसके कि जनसंख्या वृद्धि दर में कमी हो रही है। एक अनुमान के अनुसार, 1830 तक विश्व की कुल जनसंख्या 1 अरब थी जो 1930 तक बढ़कर दोगुनी हो गयी। इसके बाद के 30 वर्षों अर्थात् 1960 तक जनसंख्या 3 अरब हो गयी। इसके बाद 15 वर्षों (1975) तक जनसंख्या 4 अरब हो गई। यद्यपि 1830 से 1930 तक 100 वर्षों में यह जनसंख्या वृद्धि दर काफी धीमी रही है, परन्तु बाद के वर्षों में इसमें तीव्र वृद्धि हुई और 1990 तक यह जनसंख्या 5 अरब को पार गई। 1999 को विश्व आबादी 6 अरब हो गई जो बढ़कर वर्तमान में 7 अरब के आँकड़े को छूने की ओर अग्रसर थी। यदि जनसंख्या वृद्धि की यही स्थिति रही तो 2030 में विश्व की जनसंख्या 8·1 अरब हो जायेगी। अतएव इस जनसंख्या वृद्धि से यह बात तो स्पष्ट है कि विश्व की जनसंख्या को 1 से 2 अरब होने में 100 वर्ष, 2 से 3 अरब होने में 30 वर्ष, 3 से 4 अरब होने में 15 वर्ष, 4 से 5 अरब होने में 13 वर्ष और 6 से 7 अरब होने में अनुमानित 12 वर्षों का समय लगा।

●●

अध्याय 3

जनसंख्या संघटन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. **निम्नलिखित में से किसने संयुक्त अरब अमीरात के लिंग अनुपात को कम किया है—**
   (a) पुरुष कार्यशील जनसख्या का चयनित प्रवास
   (b) पुरुषों की उच्च जन्म दर
   (c) स्त्रियों की निम्न जन्म दर
   (d) स्त्रियों का उच्च उत्प्रवास।
2. **विकासशील देशों में स्त्रियों की संख्या पुरुषों से है—**
   (a) कम (b) बराबर (c) अधिक (d) शून्य।
3. **निम्नलिखित में से किस देश का लिंग अनुपात विश्व में सर्वाधिक है—**
   (a) लैटविया (b) जापान (c) संयुक्त अरब अमीरात (d) फ्रांस।
4. **युद्ध के कारण लिंग अनुपात—**
   (a) घटता है (b) बढ़ता है (c) सम रहता है (d) फर्क नहीं पड़ता।

उत्तर—1. (a), 2. (a), 3. (a), 4. (a).

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. विकसित देशों में स्त्रियों की मृत्यु का अनुपात .... है।
2. प्रवास .... अधिक करता है।
3. युद्ध के कारण लिंग अनुपात .... होता है।
4. नगरीकरण के कारण .... जनसंख्या का प्रतिशत घटते जा रहा है।
5. नगरीकरण के कारण .... का दोहन अधिक हो रहा है।

उत्तर— 1. कम, 2. पुरुष, 3. कम, 4. ग्रामीण, 5. संसाधन।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 3. उचित संबंध जोड़िये—

(अ)	(ब)
1. सर्वाधिक लिंगानुपात	(a) पुरुष
2. पुरुष और स्त्री का अनुपात	(b) मृत्युदर कम
3. अधिक प्रवास करने वाला	(c) प्राथमिक कार्य
4. विकसित देश	(d) लिंगानुपात
5. ग्रामीण क्षेत्र	(e) यूरोप में।

उत्तर—1. (e), 2. (d), 3. (a), 4. (b), 5. (c).

प्रश्न 4. सत्य/असत्य चुनकर लिखिये—

1. लिंग अनुपात से स्त्रियों की स्थिति की जानकारी होती है।
2. उच्च जन्म दर होने पर लिंग अनुपात बढ़ता है।
3. नगरों में गाँवों की अपेक्षा प्रदूषण की समस्या कम रहती है।
4. कृषि प्रधान क्षेत्रों में नगरीय जनसंख्या कम रहती है।
5. औद्योगीकरण और नगरीयकरण में कोई संबंध नहीं है।

उत्तर—1. सत्य, 2. असत्य, 3. असत्य, 4. सत्य, 5. असत्य।

प्रश्न 5. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए—

1. वृहद् जनसंख्या में कितने वर्ष से अधिक आयु वाले लोग होते हैं ?
2. आरेखीय विधि से आयु की तुलनात्मक स्थिति को क्या कहते हैं ?
3. विभिन्न क्रियाकलापों में संलग्न जनसंख्या की संरचना क्या कहलाती है ?
4. साक्षरता का सर्वाधिक लाभ क्या हुआ ?
5. औद्योगीकरण का सर्वाधिक प्रभाव क्या हुआ ?

उत्तर—1. साठ वर्ष, 2. आयु पिरामिड, 3. व्यावसायिक संरचना, 4. उद्योग धंधों में परिवर्तन, 5. नगरीयकरण का विकास।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. यूरोपीय देशों में पुरुषों की कमी का क्या कारण है ?

उत्तर—द्वितीय विश्व युद्ध में युवा पुरुषों की मृत्यु अधिक हुई। इस कारण यूरोपीय देशों में पुरुषों की कमी है।

प्रश्न 2. विकसित देशों में स्त्रियों की संख्या अधिक क्यों है ?

उत्तर—विकसित देशों में स्त्रियों की संख्या पुरुषों से अधिक है क्योंकि वहाँ स्त्रियों की स्थिति प्रत्येक क्षेत्र में अच्छी है। स्त्रियों की मृत्यु का अनुपात भी कम है।

प्रश्न 3. प्रवास का मुख्य प्रभाव क्या है ?

उत्तर—प्रवास के कारण लिंग अनुपात अधिक होता है। विश्व की जनसंख्या संघटन में यह देखा गया है कि प्रवास पुरुष अधिक करता है।

प्रश्न 4. आयु संरचना का क्या महत्व है ?

उत्तर—विभिन्न आयु वर्ग के लोगों की संख्या को आयु संरचना प्रदर्शित करती है। इसमें बाल, प्रौढ़ एवं वृद्ध जनसंख्या का पता लगाया जाता है। जनसंख्या संरचना का यह महत्वपूर्ण सूचक बाल, प्रौढ़, कार्यशील जनसंख्या की ओर इंगित करता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. जनसंख्या के संघटन से आप क्या समझते हैं ? (NCERT)

उत्तर—जनसंख्या संघटन जनसंख्या की उन विशेषताओं को प्रदर्शित करता है जिसकी माप की जा सकती है। आयु, लिंग, साक्षरता, आवास का स्थान ऐसे महत्वपूर्ण घटक हैं जो जनसंख्या के संघटन को प्रदर्शित करते हैं। ये विकास की भावी योजनाओं को निश्चित करने में सहायता करते हैं।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 2. लिंगानुपात कैसे मापा जाता है ? **(NCERT)**

उत्तर—स्त्रियों और पुरुषों के बीच के अनुपात को लिंगानुपात कहते हैं। भारत में लिंगानुपात ज्ञात करने का सूत्र है—

$$\frac{\text{स्त्रियों की जनसंख्या}}{\text{पुरुषों की जनसंख्या}} \times 1000.$$

अथवा प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या।

कुछ देशों में लिंगानुपात ज्ञात करने का सूत्र है—

$$\frac{\text{पुरुषों की जनसंख्या}}{\text{स्त्रियों की जनसंख्या}} \times 1000.$$

अथवा प्रति हजार स्त्रियों पर पुरुषों की संख्या।

प्रश्न 3. नगरीकरण बढ़ने के क्या कारण थे ?

उत्तर—बीसवीं शताब्दी के बाद औद्योगीकरण तेजी से होने लगा। बढ़ते औद्योगीकरण के कारण काम/रोजगार की प्राप्ति के लिये लोग नगरों की ओर जाने लगे और बढ़ते रोजगार ने नगरीकरण को भी बढ़ाने में सहायता की।

प्रश्न 4. राष्ट्र के आर्थिक विकास का सूचक क्या है ?

उत्तर—प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक स्तर पर क्रियाशील जनसंख्या का अनुपात राष्ट्र के आर्थिक विकास का सूचक है। भिन्न-भिन्न स्तरों पर जनसंख्या की क्रियाशीलता बढ़ने से राष्ट्र का विकास अधिक होता है। इससे द्वितीयक और तृतीयक स्तर की क्रियाशीलता महत्वपूर्ण है।

प्रश्न 5. जनसंख्या संघटन का विकास कैसे हो सकता है ?

उत्तर—व्यावसायिक संरचना से जनसंख्या संघटन का विकास हो सकता है। निर्माण कार्य, स्वास्थ्य, परिवहन, अनुसंधान व्यवसाय में सम्मिलित लोगों का प्रतिशत बढ़ने को जनसंख्या संघटन का विकास माना जाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. जनसंख्या के ग्रामीण नगरीय संघटन का वर्णन कीजिए। **(NCERT)**

उत्तर—जनसंख्या के ग्रामीण-नगरीय संघटन का अध्ययन आर्थिक संघटन के रूप में किया जाता है। जनसंख्या को क्रियात्मक विशेषताओं के आधार पर ग्रामीण-नगरीय दो भागों में व्यक्त किया जाता है। ग्रामीण जनसंख्या प्राथमिक कार्यों में लगी रहती है। जैसे—मत्स्य पालन, शिकार, कृषि, वनोपज संग्रहण, काष्ठकला आदि। नगरीय जनसंख्या उद्योग, व्यापार, परिवहन, विभिन्न सेवाओं जैसे द्वितीयक एवं तृतीयक व्यवसाय में लगी रहती है। दोनों का सामाजिक पर्यावरण, आर्थिक विकास बिल्कुल भिन्न होता है। आर्थिक विकास, सामाजिक सुविधा, उच्च जीवन स्तर की चाह में ग्रामीण जनसंख्या नगरों की ओर पलायन करने लगी है।

प्रश्न 2. विश्व के विभिन्न भागों में आयु, लिंग में असंतुलन के लिये उत्तरदायी कारकों तथा व्यावसायिक संरचना की विवेचना कीजिए। **(NCERT)**

उत्तर—**(अ)** जनसंख्या की आयु-लिंग संरचना से तात्पर्य विभिन्न आयु वर्गों में स्त्रियों और पुरुषों की संख्या से है। विश्व के विभिन्न भागों में आयु-लिंग में असंतुलन पाया जाता है। इसके उत्तरदायी कारक जन्मदर, मृत्युदर और प्रवास हैं।

1. जन्मदर—पुरुष जन्मदर अधिक होने से पुरुषों की जनसंख्या अधिक होगी। महिला जन्मदर अधिक होने से महिला जनसंख्या अधिक होगी।

2. मृत्युदर—मृत्युदर अधिक होने पर जीवन प्रत्याशा कम हो जाती है। कुछ जनसंख्या में वृद्धों का अनुपात कम हो जाता है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण—नाइजीरिया है।

प्रवास—रोजगार की तलाश में पुरुष जनसंख्या का प्रवास होता है। इससे स्त्रियों की संख्या बढ़ जाती है। जहाँ रोजगार के लिये पुरुष पहुँचते हैं वहाँ पुरुषों की संख्या बढ़ जाती है।

(ब) व्यावसायिक संरचना—कार्यशील जनसंख्या व्यावसायिक संरचना में लगी रहती है। इनमें कुछ लोगों के व्यवसाय के स्वरूप इस प्रकार हैं—

Scanned with CamScanner

1. **प्राथमिक व्यवसाय**—इसमें आखेट, संग्रहण, खनन और कृषि व्यवसाय सम्मिलित हैं।
2. **द्वितीयक व्यवसाय**—इसमें लघु, वृहत्, मध्यम दर्जे के उद्योगों में लगे हुए लोग हैं।
3. **तृतीयक व्यवसाय**—इसमें परिवहन, संचार, व्यापार आदि सेवा में लगे हुए लोग हैं।
3. **चतुर्थक व्यवसाय**—इसमें उच्च बौद्धिकता वाले कार्य अध्यापन, शोध, लेखन आदि में लगे लोग हैं।

इस प्रकार सम्पूर्ण विश्व में व्यावसायिक संरचना का स्वरूप दिखाई देता है।

प्रश्न 3. साक्षरता बढ़ने से क्या लाभ हैं ?

उत्तर—साक्षर जनसंख्या सामाजिक और आर्थिक विकास का सूचक है। साक्षरता का बढ़ना जनसंख्या संघटन के विकास का सूचक है। साक्षरता के बढ़ने से अनेक लाभ होते हैं जो इस प्रकार हैं—

(1) साक्षरता के बढ़ने से राष्ट्र के विकास का स्तर बढ़ता है।

(2) अनेक प्रतिष्ठानों में पुरुषों के साथ स्त्रियों को भी कार्य करने का अवसर प्राप्त होता है जिससे कार्य का स्वरूप व स्तर भी बढ़ता है।

(3) उद्योग धंधों में परिवर्तन आता है। अनेक महिला उद्यमी अपने नये उत्पादन के साथ औद्योगिक क्रांति लाती हैं।

(4) कृषि कार्यों का भी पर्याप्त विकास होता है।

(5) प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार, उपभोक्ता संस्कृति का विकास और विकास के नये अवसर सामने आने लगते हैं।

राष्ट्र के विकास का आधार साक्षरता है जो जनसंख्या संघटन का स्वरूप बदल सकती है।

प्रश्न 4. लिंग अनुपात कैसे प्रभावित होता है ?

उत्तर—किसी भी देश के स्त्री और पुरुष के अनुपात को लिंगानुपात कहते हैं। विश्व के सभी देशों में लिंग अनुपात भिन्न-भिन्न है। इसकी भिन्नता पर प्रभाव डालने वाले तत्व इस प्रकार हैं—

1. **जन्मदर**—जहाँ जन्मदर अधिक होती है वहाँ लिंग अनुपात कम होता है। जन्म के समय स्त्रियों की तुलना में पुरुषों की संख्या अधिक होती है। प्रसव के दौरान स्त्रियों की ही मृत्यु होती है।

2. **मृत्युदर**—मृत्युदर अधिक हो तो लिंग अनुपात कम रहता है। साधारणत: मृत शिशु में बालकों की मृत्यु दर अधिक रहती है।

3. **प्रवास**—जिन क्षेत्रों से प्रवास होता है वहाँ लिंग अनुपात अधिक रहता है, क्योंकि प्रवास पुरुष ही करते हैं।

4. **युद्ध**—जब लम्बे समय तक युद्ध की स्थिति रहती है तो लिंग अनुपात बढ़ता है। पुरुष ही युद्ध में भाग लेते हैं और उन्हीं से लिंग अनुपात प्रभावित होता है।

प्रश्न 5. ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या में क्या अन्तर है ?

उत्तर—क्रियात्मक विशेषताओं के आधार पर जनसंख्या को नगरीय एवं ग्रामीण दो भागों में बाँटा गया है—

ग्रामीण जनसंख्या	नगरीय जनसंख्या
1. ग्रामीण जनसंख्या का जीवन प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित है।	1. नगरीय जनसंख्या प्राकृतिक संसाधनों को मूल स्वरूप से परिवर्तित कर उसका उपयोग करती है।
2. ग्रामीण जनसंख्या पूर्णत: प्राथमिक कार्यों जैसे-कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, आखेट, खनन आदि में लगी रहती है।	2. नगरीय जनसंख्या द्वितीयक एवं तृतीयक कार्यों में लगी रहती है। इसमें उद्योग परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा मुख्य है।
3. ग्रामीण जनसंख्या को स्वास्थ्य, शिक्षा, यातायात आदि की सुविधायें कम मिलती हैं।	3. नगरीय जनसंख्या स्वास्थ्य, शिक्षा, यातायात, प्रशासन सभी का लाभ प्राप्त करती हैं।
4. ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत घटते जा रहा है।	4. नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत बढ़ते जा रहा है।
5. ग्रामीण जनसंख्या को प्रदूषण की समस्या कम रहती है।	5. नगरों में प्रदूषण की समस्या अधिक रहती है।

Scanned with CamScanner

तार्किक एवं समझ पर आधारित प्रश्न

प्रश्न 1. जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना को समझाइये।

उत्तर—व्यावसायिक संरचना का अर्थ जनसंख्या के व्यवसाय में लगे होने से माना जाता है। मोटे तौर पर कार्यशील जनसंख्या (15 वर्ष से 59 वर्ष) के बीच के लोगों को व्यावसायिक संरचना में संलग्न माना जाता है। ये लोग कृषि, मत्स्य, वानिकी, विनिर्माण, परिवहन, शिक्षा, संचार तथा अन्य सेवाओं में संलग्न रहते हैं। कृषि, वानिकी, मत्स्य, खनन प्राथमिक सेवाएँ हैं। जबकि विनिर्माण को द्वितीयक सेवाओं में माना जाता है। तृतीयक क्रियाओं के अन्तर्गत व्यापार, परिवहन एवं संचार तथा अन्य सेवाओं को वर्गीकृत किया जाता है और अनुसंधान, सूचना और प्रौद्योगिकी और वैचारिक विकास से जुड़े कार्यकलाप को चतुर्थ क्रियाओं के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जाता है। यह कार्यशील वर्गीकरण जो जनसंख्या व्यवसाय से संबंधित है किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के स्तर का सूचक है। यदि किसी देश की जनसंख्या प्राथमिक क्रियाओं में संलग्न है तो इसका अर्थ है कि वहाँ की अर्थव्यवस्था अभी आदिम अवस्था में है और मात्र प्राकृतिक संसाधनों का विदोहन हो रहा है। यदि व्यावसायिक संरचना द्वितीयक क्रियाओं में है तो वह तृतीयक एवं चतुर्थक क्रियाओं के लोगों को समायोजित कर सकती है।

●●

इकाई 3

अध्याय 4

प्राथमिक क्रियायें

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. **निम्नलिखित में से कौन-सी रोपण फसल नहीं है—**
   (a) कॉफी (b) गन्ना (c) गेहूँ (d) रबड़।
2. **पुष्प कृषि के लिये विकसित देश है—**
   (a) बांग्लादेश (b) नीदरलैण्ड (c) भारत (d) पाकिस्तान।
3. **फूलों की कृषि कहलाती है—**
   (a) ट्रक फार्मिंग (b) कारखाना कृषि (c) मिश्रित कृषि (d) पुष्पोत्पादन।
4. **स्थान बदलकर की जाने वाली कृषि को कहते हैं—**
   (a) ट्रक फार्मिंग (b) स्थानांतरित कृषि (c) मिश्रित कृषि (d) व्यावसायिक कृषि।
5. **निम्नलिखित में से किसमें विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि नहीं की जाती है—**
   (a) अमेरिका एवं कनाडा के प्रेयरी प्रदेश (b) अर्जेन्टाइना के पम्पास प्रदेश
   (c) यूरोपीय स्टेपीज़ प्रदेश (d) अमेजन बेसिन।
6. **किस प्रकार की कृषि में खट्टे रसदार फलों की कृषि की जाती है—**
   (a) बाजारीय सब्जी कृषि (b) भूमध्य सागरीय कृषि (c) रोपण कृषि (d) सहकारी कृषि।
7. **कौन-सी एकल कृषि नहीं है—**
   (a) डेयरी कृषि (b) मिश्रित कृषि (c) रोपण कृषि (d) वाणिज्य अनाज कृषि।

उत्तर— 1. (c), 2. (b), 3. (d), 4. (b), 5. (d), 6. (b), 7. (c).

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. सहकारी कृषि का सफल परीक्षण .... में किया गया।
2. यूरोपीय औपनिवेशिक समूहों द्वारा की जाने वाली कृषि .... कहलाती है।

Scanned with CamScanner

3. आदिकालीन निर्वाहक कृषि का नाम .... है।
4. पेड़-पौधों के तनों में कटाव लगाकर रस एकत्र/दूध एकत्र करना .... है।
5. प्राथमिक क्रियाकलाप करने वाले लोग .... श्रमिक कहलाते हैं।

उत्तर— 1. डेनमार्क, 2. कोलखोज, 3. कर्तन-दहन, 4. निष्कर्षण, 5. लाल कालर।

प्रश्न 3. उचित संबंध जोड़िये—

(अ)	(ब)
1. परम्परागत व्यवसाय	(a) स्थायी जीवन का आधार
2. जीवन निर्वाह का प्राचीन व्यवसाय	(b) उद्यान कृषि
3. कृषि	(c) कूप खनन
4. पुष्पों का उत्पादन	(d) पशुचारण
5. गहरी खुदाई	(e) प्राथमिक क्रियायें।

उत्तर—1. (e), 2. (d), 3. (a), 4. (b), 5. (c).

प्रश्न 4. सत्य/असत्य चुनकर लिखिये—

1. प्राथमिक क्रियायें प्राकृतिक संसाधनों से संबंधित होती हैं।
2. कृषकों की दशा सुधारने के लिये सामूहिक कृषि की जाती है।
3. खनन व्यवसाय प्राचीन व्यवसायों में से एक नहीं है।
4. औद्योगिक क्रांति से खनिजों की माँग घटी है।
5. स्थान बदलकर की जाने वाली कृषि स्थानांतरित कृषि कहलाती है।

उत्तर—1. सत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. असत्य, 5. सत्य।

प्रश्न 5. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए—

1. प्राथमिक व्यवसायों में परिवर्तन का कारण क्या है ?
2. स्थायी जीवन की प्रेरणा कैसे मिली ?
3. कृषक परिवार के लिये की जाने वाली कृषि क्या कहलाती है ?
4. कृषि की नवीन पद्धति कौन-सी है ?
5. औद्योगिक क्रांति का क्या परिणाम हुआ ?

उत्तर—1. तकनीकी विकास, 2. कृषि से, 3. जीविकोपार्जन कृषि, 4. विस्तृत कृषि, 5. खनिजों की माँग बढ़ी।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मानव व्यवसाय को कितने वर्गों में बाँटा गया है ? उनके नाम लिखिये।

उत्तर—मानव व्यवसाय को निम्न वर्गों में बाँटा गया है वे इस प्रकार हैं—(1) प्राथमिक व्यवसाय, (2) द्वितीयक व्यवसाय, (3) तृतीयक व्यवसाय, (4) चतुर्थक व्यवसाय (बुद्धि व ज्ञान आधारित)

प्रश्न 2. प्राथमिक व्यवसाय के अन्तर्गत आने वाले दो व्यवसायों के नाम लिखिए।

उत्तर—प्राथमिक व्यवसाय के अन्तर्गत आने वाले दो व्यवसाय—कृषि एवं आखेट मुख्य हैं।

प्रश्न 3. कृषि की परिभाषा दीजिये।

उत्तर—भूमि को जोत-बोकर बीज उगाने/अन्न उगाने की प्रक्रिया को कृषि कहते हैं।

प्रश्न 4. जीविकोपार्जन कृषि के अन्तर्गत कौन-कौन सी कृषि पद्धतियाँ आती हैं ?

उत्तर—जीविकोपार्जन कृषि के अन्तर्गत—स्थानांतरित कृषि, स्थायी कृषि एवं सघन कृषि पद्धतियों का समावेश है।

प्रश्न 5. स्थानांतरी कृषि को विभिन्न देशों में किन-किन नामों से पुकारा जाता है ?

उत्तर—स्थानांतरी कृषि को विभिन्न देशों में इन नामों से पुकारा जाता है—

1. श्रीलंका में — चेना
2. इंडोनेशिया में — हुआ
3. भारत में — झूमिंग और पोदा
4. ब्राजील में — रोका।

प्रश्न 6. पशुचारण के कौन-कौन से प्रकार हैं ?

उत्तर—पशुचारण के प्रकार विश्व में भिन्न-भिन्न हैं—

1. अस्थायी पशुचारण, 2. स्थायी पशुचारण, 3. व्यावसायिक पशुचारण, 4. वैज्ञानिक पशुचारण।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. स्थानांतरी कृषि का भविष्य अच्छा नहीं है, विवेचना कीजिए।

उत्तर—स्थानांतरी कृषि में एक स्थान विशेष पर जंगलों / वनस्पतियों को जलाकर कृषि की जाती है। धीरे-धीरे वहाँ की भूमि का उपजाऊपन कम हो जाने पर कृषि के लिए अन्यत्र जाते हैं। आज बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण वनस्पतियों को साफ करना संभव नहीं। अब कृषि के साथ पशुपालन एवं अन्य क्रियायें भी की जाती हैं अत: स्थानांतरी कृषि को बढ़ावा देना मुश्किल है। यह कृषि पद्धति अब लोपित हो रही है।

प्रश्न 2. संग्रहण एवं निष्कर्षण क्या है ? यह कार्य किन क्षेत्रों में अधिक होता है ? (NCERT)

उत्तर—संग्रहण—मानव अपनी मूलभूत आवश्यकता के लिए पर्यावरण से अनेक वस्तुओं को एकत्र करता है। इसमें वनोपज, कंदमूल, घास, बांस, मोम, गोंद, रबर मुख्य हैं। इनको एकत्र करना ही संग्रहण कहलाता है।

भूमध्य रेखीय प्रदेश, मानसूनी प्रदेश, शीतोष्ण कटिबंधीय प्रदेशों में यह कार्य अधिक होता है।

निष्कर्षण—पेड़-पौधों के तनों में कटाव लगाकर उसका रस या दूध एकत्र करने की क्रिया को निष्कर्षण कहते हैं। रबर इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। भूमध्य रेखीय प्रदेशों में यह कार्य अधिक होता है।

प्रश्न 3. विस्तृत पैमाने पर डेयरी कृषि का विकास यातायात के साधनों एवं प्रशीतकों के विकास के बाद ही क्यों संभव हो सका है ?

उत्तर—डेयरी उत्पाद शीघ्र नष्ट होने वाले पदार्थ हैं। इन्हें उत्पादन के बाद शीघ्र ही बाजारों में भेजना तथा शीतगृहों में रखना आवश्यक है। यातायात के साधनों के विकास के बाद माल को शीघ्र भेजने और सुरक्षित रखने की सुविधाएँ बढ़ गयी हैं। अत: डेयरी उद्योग का विकास उक्त साधनों के विकसित होने के बाद ही हुआ है। आज सम्पूर्ण विश्व में विस्तृत पैमाने पर डेयरी उद्योग विकसित हैं।

प्रश्न 4. जीविकोपार्जन कृषि क्या है ? इसकी विशेषतायें एवं क्षेत्र बताइये। (NCERT)

उत्तर—कृषक केवल अपने परिवार व समाज की उदर पूर्ति के लिए जो कृषि करता है उसे जीविकोपार्जन कृषि कहते हैं। इसमें कृषि का उद्देश्य स्थानीय आवश्यकता की पूर्ति करना है।

विशेषताएँ—(1) खेत प्राय: छोटे आकार के होते हैं।

(2) साधारण औजारों का प्रयोग किया जाता है, मानव श्रम को अधिक महत्व दिया जाता है।

(3) अधिक उत्पादन के लिए मिट्टी में खाद का उपयोग किया जाता है।

(4) वर्ष में एक, दो, तीन, चार तक फसलें ली जाती हैं।

(5) अधिकांश भूमि में कृषि की जाती है अत: पशुपालन कम होता है।

प्रश्न 5. मिश्रित कृषि की विशेषतायें बताइये। (NCERT)

उत्तर—मिश्रित कृषि में कृषि के साथ-साथ पशुपालन या अन्य सहायक उद्योग भी किये जाते हैं। इसकी प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(1) यह कृषि औद्योगिक क्षेत्रों के निकट की जाती है।

(2) इसके लिए आस-पास तीव्र परिवहन साधन होना आवश्यक है।

(3) वर्षा पर्याप्त हो तथा सिंचाई के भी सुलभ साधन हों।

(4) इसमें फल, फूल और चारे की खपत के लिए खपत केन्द्र समीप होना चाहिए।

प्रश्न 6. व्यापारिक कृषि से क्या समझते हो ?

उत्तर—व्यापारिक कृषि को मुद्रादायिनी कृषि भी कहा जाता है। इसमें फसलों का उत्पादन नगद लाभ या व्यापार की दृष्टि से किया जाता है। अधिक श्रमिक, पूँजी और वैज्ञानिक विधि से यह कृषि की जाती है। इसमें चाय, चावल, गन्ना, कहवा आदि का उत्पादन मुख्य है। इसके अतिरिक्त उद्यान कृषि या ट्रक फार्मिंग भी इसमें मुख्य है। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर व्यापारिक कृषि का अधिक प्रभाव पड़ता है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 7. बाजारीय सब्जी कृषि, नगरीय क्षेत्रों के समीप ही क्यों की जाती है ?

उत्तर—सघन आबादी और उच्च आय वाले नगरों में कृषि भूमि का अभाव होता है। नगरों में सब्जी की आवश्यकता होती है, किन्तु उत्पादन नहीं कर सकते। अत: नगरों के आस-पास के क्षेत्रों में सब्जी की कृषि कर नगरों को उसकी पूर्ति की जाती है। आय का अच्छा स्रोत है इसलिए बाजारीय सब्जी कृषि नगरों के समीप की जाती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. चलवासी पशुचारण और वाणिज्य पशुपालन में अन्तर कीजिए।

उत्तर— चलवासी पशुचारण और वाणिज्य पशुपालन में अन्तर—

चलवासी पशुचारण	वाणिज्य पशुपालन
1. इसमें पशुपालन केवल जीवन निर्वाह का साधन है।	1. पशुपालन व्यापारिक उद्देश्य से किया जाता है।
2. जनजातियों द्वारा यह पशुपालन किया जाता है, जो आदिम युग से चल रहा है।	2. यह आधुनिक पशुपालन पद्धति है जो यूरोपीय देशों में की जाती है।
3. इसमें चरवाहे पशुओं का झुंड लेकर चारागाह की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान को जाते रहते हैं।	3. इसमें निश्चित चारागाह होते हैं। वहाँ बाड़े बनाकर पशुओं का पालन किया जाता है।
4. ये चारागाह प्राकृतिक रूप से विकसित होते हैं।	4. यह चारा फसलों पर निर्भर है।
5. इसमें ऋतु परिवर्तन के साथ मानव स्थान परिवर्तित करते हैं।	5. इसमें स्थान निश्चित होता है। ऋतु परिवर्तन का पशुपालन से संबंध नहीं होता।

प्रश्न 2. प्राथमिक क्रियाकलापों की विशेषताओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। **(NCERT)**

उत्तर— प्राथमिक क्रियाकलाप ऐसे क्रियाकलाप हैं जिसमें मनुष्य प्रकृति से सीधे अपनी आवश्यकता की पूर्ति कर लेता है। इसमें शिकार, संग्रहण, कृषि, खनन व्यवसाय मुख्य हैं।

इसकी मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(1) प्राथमिक क्रियाकलाप सीधे और सरल होते हैं।

(2) इसमें विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं पड़ती।

(3) प्राथमिक क्रियाकलाप परम्परागत होते हैं।

(4) प्राथमिक क्रियाकलाप आर्थिक और सामाजिक संरचना के प्रतीक हैं।

(5) एशिया और अफ्रीका के अधिकांश भागों में यह क्रियाकलाप मुख्य रूप से किये जाते हैं।

प्रश्न 3. रोपण कृषि की मुख्य विशेषतायें बताइये। भिन्न-भिन्न देशों में उगाई जाने वाली कुछ प्रमुख रोपण फसलों के नाम बताइये।

उत्तर—रोपण कृषि की मुख्य विशेषतायें इस प्रकार हैं—

(1) यह कृषि विस्तृत पैमाने पर की जाती है।

(2) इसमें अधिक पूँजी निवेश की आवश्यकता नहीं पड़ती।

(3) इसमें प्रबंधन की विशेष आवश्यकता पड़ती है।

(4) वैज्ञानिक विधियों के प्रयोग से कृषि को बढ़ावा मिलता है।

(5) यह एक फसली कृषि पद्धति है एक ही फसल के उत्पादन पर कृषि व्यवसाय केन्द्रित होता है।

(6) दो-तीन वर्षों तक एक ही प्रकार की फसल का उत्पादन किया जाता है।

(7) इसमें रोपा लगाने के लिए बागान तैयार की जाती है जिससे फसल उत्पादन हो सके।

(8) व्यावसायिक दृष्टिकोण से यह कृषि अधिक विकसित है।

Scanned with CamScanner

विभिन्न देशों की रोपण फसलें—

1. भारत — चाय
2. श्रीलंका — चाय
3. फिलीपीन्स — नारियल और गन्ना
4. मलेशिया — रबर और नारियल
5. ब्राजील — कहवा
6. इंडोनेशिया — नारियल, रबर, गन्ना
7. पश्चिमी अफ्रीका — काफी एवं कोको
8. पश्चिमी द्वीप समूह — नारियल एवं केला।

इस प्रकार रोपण कृषि एवं फसलें विश्व में उगाई जाती हैं।

प्रश्न 4. व्यावसायिक कृषि के प्रमुख रूपों का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।

उत्तर—व्यावसायिक कृषि को ही व्यापारिक या मुद्रादायिनी कृषि कहा जाता है। व्यावसायिक कृषि के अन्तर्गत विस्तृत कृषि, मिश्रित कृषि, व्यापारिक दुग्ध, पालन कृषि और ट्रक फार्मिंग मुख्य हैं।

1. विस्तृत कृषि—विस्तृत कृषि विशाल भू-खण्डों पर मशीनों द्वारा की जाती है। बड़े-बड़े फार्मों पर यह कृषि की जाती है। विश्व के विस्तृत शीतोष्ण घास के मैदानों में यह कृषि की जाती है।

2. मिश्रित कृषि—कृषि के साथ-साथ पशुपालन या अन्य सहायक व्यवसाय किये जाते हैं। खाद्यान्नों के साथ चारे, शाक-सब्जी, फलों का उत्पादन भी किया जाता है। द. अमेरिका, द. अफ्रीका, न्यूजीलैण्ड में इस प्रकार की कृषि की जाती है।

3. व्यापारिक दुग्ध पालन कृषि—दूध से उत्पन्न पदार्थों के व्यापारिक उत्पादन के लिए यह कृषि की जाती है। इसके लिए शीत गृह एवं तीव्र गामी परिवहन साधन मुख्य हैं। डेनमार्क इसका मुख्य केन्द्र है।

4. उद्यान कृषि एवं ट्रक फार्मिंग—इसमें शाक-सब्जी, फूलों और फलों का उत्पादन मुख्य हैं। इसमें द्रुतगामी परिवहन साधन आवश्यक है। खपत केन्द्रों, औद्योगिक नगरों के पास यह कृषि अधिक की जाती है।

●●

अध्याय 5

द्वितीयक क्रियायें

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है—

(a) हुगली के सहारे जूट के कारखाने सस्ती जल यातायात सुविधा के कारण विकसित हुए हैं
(b) चीनी, सूती वस्त्र एवं वनस्पति तेल उद्योग स्वच्छंद उद्योग हैं
(c) खनिज तेल एवं जल विद्युत् शक्ति के विकास ने उद्योगों की अवस्थिति के कारण के रूप में कोयला शक्ति के महत्व को कम किया है
(d) पत्तन नगरों ने भारत में उद्योगों को आकर्षित किया है।

2. उद्योगों को पूर्ण करने में मशीनों का उपयोग है—

(a) भौगोलिक कारक (b) यंत्रीकरण (c) व्यवसायीकरण (d) औद्योगीकरण।

3. निम्न में से कौन-सी अर्थव्यवस्था में उत्पादन का स्वामित्व व्यक्तिगत होता है—

(a) पूँजीवाद (b) मिश्रित
(c) समाजवाद (d) इनमें से कोई नहीं।

Scanned with CamScanner

4. कौन-सा एक जोड़ा सही मेल खाता है—
(a) स्वचालित वाहन उद्योग - लास एंजिल्स
(b) पोत निर्माण उद्योग - लूसाका
(c) वायुयान उद्योग - फ्लोरेंस
(d) लौह इस्पात उद्योग - पिट्सबर्ग।

उत्तर— 1. (b), 2. (b), 3. (a), 4. (d).

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. अन्य उद्योगों के लिये कच्चे माल का उत्पादन .... करता है।
2. शक्कर उद्योग .... आधारित उद्योग है।
3. नई वस्तु का निर्माण .... कहलाता है।
4. विश्व के सभी उद्योग .... की ओर बढ़ रहे हैं।

उत्तर— 1. आधारभूत उद्योग, 2. कृषि, 3. विनिर्माण उद्योग, 4. उच्च प्रौद्योगिकी।

प्रश्न 3. उचित संबंध जोड़िये—

(अ)	(ब)
1. विनिर्माण उद्योग	(a) प्राथमिक स्तर व्यवसाय
2. कुटीर उद्योग	(b) ऊनी वस्त्र उद्योग
3. कृषि	(c) लौह इस्पात उद्योग
4. पशु उत्पाद	(d) व्यक्तिगत स्वामित्व
5. आधारभूत उद्योग	(e) मशीनों द्वारा।

उत्तर—1. (e), 2. (d), 3. (a), 4. (b), 5. (c).

प्रश्न 4. सत्य/असत्य चुनकर लिखिये—

1. सूती वस्त्र उद्योग का जन्म ब्रिटेन में ही हुआ था।
2. कुटीर उद्योग में परम्परागत यंत्रों का उपयोग नहीं किया जाता।
3. कृषि आधारित उद्योग वस्त्र उद्योग है।
4. गन्ने पर आधारित उद्योग चीनी उद्योग है।
5. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग सरकार के अधीन नहीं होते हैं।

उत्तर—1. सत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. सत्य, 5. असत्य।

प्रश्न 5. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए—

1. जूट उद्योग के लिये आवश्यक तत्व क्या है ?
2. उद्योगों की स्थापना के लिये कितनी पूँजी की आवश्यकता नहीं होती है ?
3. रस उद्योग किस पर आधारित है ?
4. संयुक्त राज्य अमेरिका का मुख्य उद्योग कौन-सा है ?
5. यूरोप विश्व के देशों से कितने प्रतिशत कपास का आयात करता है ?

उत्तर—1. जल, 2. भारी, 3. फल, 4. लोहा इस्पात, 5. 50%।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. द्वितीयक क्रियाकलाप से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर—प्रकृति से प्राप्त पदार्थों को संशोधित कर उपयोगी बनाने की प्रक्रिया द्वितीयक क्रियाकलाप कहलाती है।

प्रश्न 2. कुटीर और लघु उद्योगों में क्या अन्तर है ?

उत्तर—कुटीर उद्योग एक ही परिवार के द्वारा थोड़ी सी लागत में अपने ही घर पर चलाये जाते हैं। जैसे- बीड़ी बनाना, घड़े बनाना।

लघु उद्योग—कम लागत पर छोटे-छोटे पैमाने पर ये उद्योग चलाये जाते हैं। इसमें खाद्य सामग्री, रंग-रोगन, कलपुर्जे आदि आते हैं। इसके लिए श्रमिक और मशीनों का होना आवश्यक है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. किसी एक पर 30 शब्दों में टिप्पणी लिखिये— (NCERT)
(क) उच्च प्रौद्योगिकी, (ख) विनिर्माण, (ग) स्वच्छंद उद्योग।

Scanned with CamScanner

उत्तर—(क) उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग—वे उद्योग, जिनमें उन्नत वैज्ञानिक तकनीक, उन्नत इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर, शोध एवं विकास आदि का उपयोग होता है उसे उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग की संज्ञा दी जाती है। आज विश्व के सभी उद्योग गुणवत्ता के कारण इस ओर बढ़ रहे हैं।

(ख) विनिर्माण—नई वस्तु का निर्माण ' विनिर्माण ' कहलाता है। यह जैविक और अजैविक पदार्थों का एक नये उत्पाद के रूप में यांत्रिक और रासायनिक परिवर्तन है। यह कार्य कामगारों द्वारा, मशीन द्वारा, शक्ति चालित साधनों द्वारा हो सकता है।

(ग) स्वच्छंद उद्योग—जिन उद्योगों की स्थापना के लिए कच्चे माल की निकटता का कोई महत्व नहीं उन्हें स्वच्छंद उद्योग कहते हैं। इन्हें कहीं भी स्थापित किया जा सकता है। ये उद्योग संघटक पुर्जों पर निर्भर करते हैं। ये पुर्जे कहीं भी प्राप्त हो सकते हैं। आजकल ऐसे उद्योगों का ही प्रचलन बढ़ता जा रहा है।

प्रश्न 2. लोहा इस्पात उद्योग को आधारभूत उद्योग क्यों कहा जाता है ?

उत्तर—यह आधुनिक उद्योगों का आधार है। जैसे—परिवहन साधन, कृषि यंत्र, मशीनें आदि। सम्पूर्ण आधुनिक सभ्यता और विकसित उद्योग धंधों का आधार लोहा इस्पात ही है जिससे अन्य उद्योगों की स्थापना में सहायता मिलती है।

प्रश्न 3. कच्चे माल पर आधारित उद्योग कौन-कौन से हैं ?

उत्तर—कच्चे माल पर आधारित उद्योग मुख्य रूप से कृषि, वन, खनिज, पशुओं से प्राप्त सामग्री पर आधारित होते हैं। इनमें शक्कर उद्योग, कागज उद्योग, कल पुर्जे निर्माण, दुग्ध उद्योग मुख्य रूप से शामिल हैं।

प्रश्न 4. विश्व के विकसित देशों के उद्योगों के संदर्भ में आधुनिक औद्योगिक क्रियाओं की मुख्य प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

उत्तर—विश्व की अर्थव्यवस्था में लोहा इस्पात आधारभूत उद्योग कहा जाता है, किन्तु पश्चिमी देशों विशेषकर अमेरिका, यूरोप में इसे जंग का कटोरा कहा जाता है तथा इसका महत्व घट रहा है। सूती वस्त्र उद्योग में अधिक श्रमिकों की आवश्यकता पड़ती है, अत: इसका महत्व भी घट रहा है।

आधुनिक औद्योगिक क्रियाओं में यंत्र, मानव, कम्प्यूटर, धातु पिघलाने के यंत्र, इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण, रासायनिक एवं औषधि उत्पादन आदि को विशेष महत्व दिया जा रहा है। आधुनिक औद्योगिक क्रियाओं की प्रवृत्ति पूर्ववर्ती उद्योगों से बिल्कुल भिन्न है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. प्राथमिक एवं द्वितीयक गतिविधियों में क्या अन्तर है ? **(NCERT)**

उत्तर—प्राथमिक एवं द्वितीयक गतिविधियों में अन्तर—

प्राथमिक गतिविधियाँ	द्वितीयक गतिविधियाँ
1. इसमें प्रकृति से प्राप्त वस्तुओं का दोहन किया जाता है।	1. इसमें प्रकृति से प्राप्त वस्तुओं के स्वरूप में परिवर्तन किया जाता है।
2. कृषि, आखेट, पशुपालन, मत्स्यपालन आदि प्राथमिक गतिविधियाँ हैं।	2. विनिर्माण उद्योग द्वितीयक गतिविधि में आते हैं।
3. प्राथमिक क्रियाकलापों की प्रधानता निम्न मानव विकास का सूचक है।	3. द्वितीयक क्रियाकलापों की प्रधानता उच्च मानव विकास का सूचक है।
4. अविकसित देशों में प्राथमिक क्रियाकलापों की प्रधानता होती है।	4. विकसित देशों में द्वितीयक क्रियाकलापों में संलग्न लोग अधिक रहते हैं।
5. प्राथमिक क्रियाकलाप के उत्पादों का मूल्य कम बढ़ता है।	5. द्वितीयक गतिविधियों के उत्पादों में परिवर्तन होता रहता है।

प्रश्न 2. विनिर्माण उद्योगों की विशेषतायें लिखिए।

उत्तर—कच्चे माल को मशीनों की सहायता से स्वरूप बदलकर नवीन उपयोगी वस्तु निर्माण की प्रक्रिया ही विनिर्माण उद्योग है।

Scanned with CamScanner

विशेषताएँ—(1) कच्चे माल से नवीन वस्तु के निर्माण से मूल उपयोगी माल का स्वरूप बदल जाता है। जैसे—लुगदी से कागज।

(2) जिस वस्तु का रूप बदल जाता है वह अधिक उपयोगी हो जाती है।

(3) विनिर्माण से बनी वस्तु का मूल्य बढ़ जाता है।

(4) यह द्वितीयक व्यवसाय है जो मानव विकास का सूचक है।

(5) राष्ट्र हित एवं आर्थिक विकास में विनिर्माण उद्योगों का महत्व है।

प्रश्न 3. अधिकतर देशों में उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग महानगरों की परिधि क्षेत्रों में ही क्यों विकसित हो रहे हैं ? व्याख्या कीजिए।

उत्तर—उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों के लिये विशाल भवन, भंडार, कारखानों की आवश्यकता नहीं होती। इसके लिए सामान्य भवन, साफ-सुथरा वातावरण, बड़ी-बड़ी प्रयोगशालाएँ एवं विस्तृत कार्यालयों की आवश्यकता पड़ती है। इसलिए इनका विस्तार भंडार क्षेत्र के परिधि वाले क्षेत्रों में ही किया जाता है। प्रादेशिक और स्थानीय विकास योजनाओं के लिये नियोजित व्यवसाय पार्क का निर्माण भंडार परिधि क्षेत्रों में किया जाता है। ऐसे क्षेत्र अधिकतर विशिष्ट उद्योग, उच्च प्रौद्योगिकी एवं आत्म निर्भर होते हैं। इन केन्द्रों को औद्योगिक ध्रुव या टेक्नोपॉलिस कहा जाता है।

प्रश्न 4. उद्योगों के लिये आवश्यक भौगोलिक तत्व लिखकर किसी एक की विशेषता लिखिये।

उत्तर—उद्योगों के लिए आवश्यक भौगोलिक तत्व इस प्रकार हैं—

(1) कच्चा माल, (2) ऊर्जा, (3) परिवहन साधन, (4) मानव श्रम, (5) जल, (6) खपत के लिए बाजार, (7) प्राकृतिक दशायें, (8) शासकीय नीति, (9) सार्वजनिक सेवाएँ, (10) पूँजी, (11) प्रतिस्पर्धा उद्योग।

पूँजी—किसी भी उद्योग की स्थापना के लिए पर्याप्त पूँजी का होना आवश्यक है। इस कारण नगरों के समीप ही उद्योगों का केन्द्रीयकरण होता है। पूँजीपति और बैंकों की समीपता उद्योगों का आधार है।

इस प्रकार उद्योगों की स्थापना उपरोक्त तत्वों से संभव है।

प्रश्न 5. अफ्रीका में अपरिमित प्राकृतिक संसाधन हैं फिर भी औद्योगिक दृष्टि से यह बहुत पिछड़ा महाद्वीप है। क्यों ? **(NCERT)**

उत्तर—औद्योगिक विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों की पूर्ति के साथ उन्नत कौशल भी आवश्यक है। उत्पादन की विधियाँ, यंत्रीकरण, प्रौद्योगिक विकास, उद्योगों का संगठनात्मक स्वरूप समीपस्थ बाजार औद्योगिक विकास के आवश्यक तत्व हैं। अफ्रीका में कुशल श्रमिक, तकनीकी विकास, यंत्रीकरण, उत्पादन की उन्नत विधियाँ सभी की कमी है। इसके साथ ही एक बहुत बड़ा भाग मरुस्थल, सघन वनाच्छादित और अगम्य होने के कारण प्राकृतिक बाधायें उद्योगों के विकास के लिये बाधक हैं। यही कारण है कि अफ्रीका में अपरिमित प्राकृतिक संसाधन होते हुए भी औद्योगिक दृष्टि से यह बहुत पिछड़ा महाद्वीप है।

तार्किक एवं समझ पर आधारित प्रश्न

प्रश्न 1. मानव के बदलते व्यवसाय पर लेख लिखिए।

उत्तर—आज किसी भी स्थान पर मानव द्वारा अपने जीवनयापन के लिए अपनाये जाने वाले व्यवसाय न केवल वहाँ के भौतिक पर्यावरण अपितु वहाँ रहने वाले लोगों की शिक्षा एवं तकनीकी स्तर के अनुसार निर्धारित होते हैं। यही कारण है कि संसार के विभिन्न भागों में रहने वाले लोग अपने विकास के स्तर के अनुसार भिन्न-भिन्न व्यवसाय अपनाये हुए देखे जाते हैं। जैसे—अमेजन और कांगो की आदिवासी जनजातियाँ अभी भी शिकार और संग्रहण कर रही हैं तो स्टैपीज, प्रेयरीज और पम्पास आदि घास के मैदानों में रहने वाली कई जातियाँ पशुचारण कर रही हैं। आज चीन और भारत के मैदान के निवासी कृषि कार्य में लगे हैं तो नार्वे, स्वीडन, कनाडा के वनों में रहने वाले लोग लकड़ी काटने का धंधा कर रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका और भारत के खनिज प्रधान भागों के लोग खनन व्यवसाय में लगे हैं। पश्चिमी यूरोप, संयुक्त राज्य-अमेरिका और जापान जैसे औद्योगिक देशों के लोग निर्माण उद्योग में लगे हुए हैं। मानव द्वारा अपनाये जाने वाले ये व्यवसाय भिन्न-भिन्न क्षेत्रों एवं प्रदेशों में अलग-अलग रूपों में किये जाते हैं।

●●

Scanned with CamScanner

अध्याय 6

तृतीयक एवं चतुर्थक क्रियाकलाप

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. **कौन-सा एक तृतीयक क्रियाकलाप है—**
   (a) खेती (b) बुनाई (c) व्यापार (d) आखेट।
2. **कौन-सा एक सेक्टर दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता एवं चेन्नई में सर्वाधिक रोजगार प्रदान करता है—**
   (a) प्राथमिक (b) द्वितीयक (c) तृतीयक (d) सेवा।
3. **सेवा ऐसा क्षेत्र है जो—**
   (a) अमूर्त है (b) निर्माण करता है (c) प्रौद्योगिक है (d) सम्पर्क है।
4. **निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है—**
   (a) बाह्य स्रोत न दक्षता को बढ़ाता है और न लागत को कम करता है
   (b) कभी अभियांत्रिकी और विनिर्माण कार्यों की भी बाह्य स्रोतन की जा सकती है
   (c) बी. पी. ओज के पास के. पी. ओज की तुलना में बेहतर व्यावसायिक अवसर होते हैं
   (d) कामों के बाह्य स्रोतन करने वाले देशों में काम की तलाश करने वालों में असंतोष पाया जाता है।

उत्तर— 1. (c), 2. (d), 3. (a), 4. (c).

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. .... को द्वितीयक सेक्टर के क्रियाकलाप में नहीं गिना जाता है।
2. उच्च परिणाम एवं स्तर वाले अन्वेषण .... क्रियाकलाप में हैं।
3. .... क्रियाकलाप चतुर्थ सेक्टर से संबंधित है।
4. तृतीयक क्रियाकलाप में .... भी आता है।

उत्तर— 1. मत्स्य पालन, 2. पंचम, 3. विश्वविद्यालयीन अध्यापन, 4. व्यापार।

प्रश्न 3. उचित संबंध जोड़िये—

(अ)	(ब)
1. व्यापार	(a) कबूतर
2. उच्च स्तर के कार्य	(b) कम्प्यूटर के पितामह
3. प्राचीन संदेशों के संप्रेषक	(c) पंचम क्रियाकलाप
4. चार्ल्स बैबेज	(d) वस्तुओं का क्रय-विक्रय
5. प्रौद्योगिक	(e) चतुर्थक क्रियाकलाप।

उत्तर—1. (d), 2. (e), 3. (a), 4. (b), 5. (c).

प्रश्न 4. सत्य/असत्य चुनकर लिखिये—

1. प्राथमिक क्रियाकलापों से आर्थिक विकास का प्रारंभ हुआ।
2. व्यापार का एक आधारभूत स्वरूप फुटकर व्यापार नहीं है।
3. राष्ट्र विकास के लिये शिक्षा और स्वास्थ्य अनिवार्य नहीं है।
4. विकसित देशों में चतुर्थक श्रेणी का व्यवसाय सर्वाधिक होता है।
5. संदेश और विचारों का संप्रेषण संचार नहीं है।

उत्तर—1. सत्य, 2. असत्य, 3. असत्य, 4. सत्य, 5. असत्य।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 5. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए—

1. विकसित अर्थव्यवस्था में कौन-सी क्रियाकलापों का योगदान अधिक है ?
2. विशिष्ट उत्पादन कहाँ बेचे जाते हैं ?
3. अभिरुचि में भिन्नता ने किस व्यापार को जन्म दिया ?
4. अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार उपग्रह संगठन क्या करता है ?
5. विशाल स्मृति कोष वाले कम्प्यूटर को क्या कहा जाता है ?

उत्तर—1. तृतीयक, 2. नगरीय बाजार में, 3. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, 4. व्यापार नियंत्रण, 5. सुपर कम्प्यूटर।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. तृतीयक सेवा के उप प्रकार कौन-कौन से हैं ?

उत्तर—तृतीयक सेवा के उप प्रकार—व्यापार, परिवहन, संचार, तकनीशियन, अध्यापन आदि हैं।

प्रश्न 2. वैश्विक नगर क्या है ?

उत्तर—उच्च प्रौद्योगिकी युक्त सेवा कार्यों को संपादित करने वाले नगर, जो नए अन्तर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में विकसित हुए हैं, उन्हें वैश्विक नगर कहते हैं। इनका सम्पर्क विश्व के तमाम देशों के नगरों से होता है।

प्रश्न 3. तृतीयक, चतुर्थक सेवा के उदाहरण लिखिये।

उत्तर—व्यापार, परिवहन, संचार सेवा तृतीयक क्रियाकलाप हैं। अनुसंधान एवं सूचना आधारित कार्य चतुर्थक सेवा के उदाहरण हैं।

प्रश्न 4. विश्व में चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से उभरते हुए देशों के नाम लिखिये।

उत्तर—वैश्वीकरण के इस युग में चिकित्सा पर्यटन का महत्व बढ़ गया है। भारत, थाइलैण्ड, सिंगापुर, मलेशिया चिकित्सा पर्यटन के उभरते हुए देश हैं। भारत विश्व में चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में अग्रणी देश है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. फुटकर व्यापार सेवा क्या है ? **(NCERT)**

उत्तर—जिसमें उपभोक्ताओं तक वस्तुओं का प्रत्यक्ष विक्रय होता है उसे फुटकर व्यापार सेवा कहते हैं। फुटकर व्यापार नियत प्रतिष्ठानों और भंडारों में सम्पन्न होता है। विक्रय की प्रथम अवस्था ही फुटकर व्यापार है।

प्रश्न 2. सूचना प्रौद्योगिकी से क्या समझते हो ?

उत्तर—सूचना प्रौद्योगिकी कई प्रकार की प्रौद्योगिकी का मुख्य रूप है। इसमें सूक्ष्म इलेक्ट्रॉनिकी, कम्प्यूटर, दूरसंचार, प्रसारण और आप्टो इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल होते हैं।

प्रश्न 3. चतुर्थक सेवाओं का वर्णन कीजिए। **(NCERT)**

उत्तर—जिन सेवाओं का सम्बन्ध ज्ञान से है उन्हें चतुर्थक क्रियाकलाप कहा जाता है। इस सेवा कार्य में लगे लोग शारीरिक श्रम कम और मानसिक श्रम अधिक करते हैं। शिक्षा, सूचना, शोध, विकास चतुर्थक क्रियाकलाप में आते हैं। शिक्षक डॉक्टर, लेखक इसमें आते हैं।

प्रश्न 4. अंकीय विभाजन क्या है ? **(NCERT)**

उत्तर—विकसित देश शीघ्रता से अपने नागरिकों को सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी तक पहुँचाकर उससे लाभ उपलब्ध करा सकते हैं। विकासशील देशों में यह संभव नहीं है। इसी को अंकीय विभाजन कहा जाता है।

प्रश्न 5. व्यापारिक केन्द्र से क्या समझते हो ?

उत्तर—फुटकर और थोक व्यापार वाणिज्य की सभी सवाओं का विशिष्ट उद्देश्य लाभ कमाना है। यह सारा कार्य कस्बों और नगरों में होता है, इन्हें व्यापारिक केन्द्र कहते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. परिवहन एवं संचार सेवाओं की सार्थकता को विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए। **(NCERT)**

उत्तर—वैश्वीकरण के इस युग में परिवहन और संचार का विशेष महत्व है। परिवहन विनिमय क्रिया का आधार है। संचार व्यवस्था द्वारा संदेशों का आदान-प्रदान होता है। नई जिज्ञासा एवं आवश्यकता ने संचार व्यवस्था को जन्म दिया है। तीव्र संचार व्यवस्था से संदेशों का तीव्रता से आदान-प्रदान होता है। उद्योग, व्यापार,

Scanned with CamScanner

कृषि व्यवस्था ने क्रांति ला दी है। उद्योगों के लिए कच्चे माल का परिवहन, निर्मित माल का व्यापार यात्रियों का आवागमन सभी परिवहन पर आधारित हैं। अपनी आवश्यकता के अनुरूप परिवहन और संचार का मनुष्य उपयोग कर रहा है। इसकी अनुपस्थिति में सार्थक जीवन की कल्पना संभव नहीं। परिवहन और संचार व्यापार व विकास रूपी वृक्ष के तने एवं शाखा के समान हैं। दोनों की उपयोगिता और सार्थकता बनी हुई है।

प्रश्न 2. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को जन्म देने वाले कारकों के नाम लिखिये।

उत्तर—अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को जन्म देने वाले कारक इस प्रकार हैं —

(1) प्राकृतिक संसाधनों में विभिन्नता, (2) आर्थिक विकास में विभिन्नता, (3) जनसंख्या वितरण की भिन्नता, (4) पूँजी निवेश, (5) उन्नत परिवहन, (6) सरकार की व्यापार नीति, (7) देश की भौगोलिक दशा, (8) जन-रुचि, (9) उत्पादों की गुणवत्ता, (10) राष्ट्रीय आय।

इससे अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को संतुलन बनाने में सहायता मिलती है।

प्रश्न 3. आधुनिक आर्थिक विकास में सेवा सेक्टर की सार्थकता और वृद्धि की चर्चा कीजिए। (NCERT)

उत्तर—आधुनिक आर्थिक विकास में सेवा सेक्टर अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी एक उद्योग की स्थापना करना हो तो परामर्शदाता, प्रशासन, वकील, वैज्ञानिक, इंजीनियर, भूगर्भ विज्ञानी, श्रमिक सभी को सेवा की आवश्यकता पड़ती है।

प्राचीन काल में विकास दर सीमित थी तो सेवा सेक्टर का विकास कम था। आज परिवहन, संचार, काल सेंटर, मल्टीप्लेक्स, मनोरंजन आदि क्षेत्रों में नई सेवाओं का विकास हुआ है। इससे लोगों को काम के अवसर अधिक प्राप्त हो रहे हैं तथा जीवन स्तर भी बढ़ रहा है।

प्रश्न 4. परिवहन के महत्व को लिखिए।

उत्तर—परिवहन व्यापार का आधार है। इसके महत्व का इस प्रकार वर्णन किया जा सकता है—

(1) वस्तुओं का शीघ्रता से स्थानांतरण, (2) माँग और पूर्ति में संतुलन बनाना, (3) देश और विदेश में व्यापार की उन्नति, (4) बाजार क्षेत्रों का विकास, (5) उत्पादन को प्रोत्साहन, (6) मूल्यों में समानता बनाना, (7) औद्योगीकीकरण को प्रोत्साहन, (8) सभ्यता एवं ज्ञान में अभिवृद्धि, (9) जनसंख्या एवं श्रमिकों का केन्द्रीयकरण, (10) श्रम विभाजन को प्रोत्साहन।

प्रश्न 5. जन संचार साधनों के नाम लिखिये।

उत्तर—जन संचार सभ्यता और विकास का आधार है। इससे संसार सिकुड़ता जा रहा है। जन संचार के प्रमुख साधन हैं—(1) डाक एवं तार, (2) दूरभाष या फोन, (3) विडियो फोन, (4) टेलेक्स, (5) फैक्स, (6) रेडियो, (7) टेलीविजन, (8) उपग्रह, (9) इंटरनेट।

इस साधनों से विनिमय एवं संप्रेषण आसानी से किया जा सकता है।

तार्किक एवं समझ पर आधारित प्रश्न

प्रश्न 1. संचार के साधनों के महत्व को समझाइये।

उत्तर—संचार तंत्र के अन्तर्गत सूचनाओं का आदान-प्रदान या प्रसारण आता है। इसके माध्यम डाक, टेलीग्राफ, टेलीफोन, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, रेडियो, दूरदर्शन, वीडियोफोन, इंटरनेट, उपग्रह आदि हैं। संचार के साधनों द्वारा आज घर बैठे विश्व की महत्वपूर्ण घटनाओं को न केवल पढ़ व सुन सकते हैं बल्कि उन घटनाओं के दृश्य देख भी सकते हैं। विश्व के किसी भी कोने से अपने मित्र या परिवार वालों से बातचीत कर सकते हैं साथ ही तीव्रगामी परिवहन साधनों के द्वारा थोड़े समय में ही मुलाकात भी कर सकते हैं। इस प्रकार तीव्रग्रामी परिवहन एवं संचार के साधनों ने विश्व के सभी देशों को एक-दूसरे के अत्यधिक निकट ला दिया है। इन माध्यमों ने विश्व को सिकोड़कर छोटा बना दिया है।

Scanned with CamScanner

अध्याय 7

परिवहन एवं संचार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. **पारमहाद्वीपीय स्टुअर्ट मार्ग किनके मध्य से गुजरता है—**
   (a) डार्विन और मेलबोर्न (b) एडमटन और ऐंफरिज
   (c) वैंकूवर और सेंट जॉन नगर (d) चेगडू और ल्हासा।
2. **"बिग इंच" पाइप लाइन द्वारा परिवहित किया जाता है—**
   (a) दूध (b) जल (c) तरल पेट्रोलियम गैस (d) पेट्रोलियम।
3. **विश्व का व्यस्त समुद्री मार्ग है—**
   (a) हिन्द महासागरीय मार्ग (b) पनामा जलमार्ग
   (c) स्वेज नहर मार्ग (d) उत्तरी अटलांटिक मार्ग।
4. **आनंद से अहमदाबाद तक बिछी है—**
   (a) रेल लाइन (b) दुग्ध पाइप लाइन (c) सड़कें (d) वायु मार्ग।
5. **चैनल-टनल जोड़ता है—**
   (a) लंदन-बर्लिन (b) बर्लिन-पेरिस (c) पेरिस-लंदन (d) बार्सिलोना-बर्लिन।

उत्तर— 1. (a), 2. (d), 3. (d), 4. (b), 5. (c).

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. .... देश में रेलों का सघन जाल बिछा है।
2. उत्तरी अटलांटिक महासागर से होकर वृहत् .... मार्ग जाता है।
3. आधुनिक परिवहन का साधन .... पाइप लाइन है।
4. विचारों एवं सूचना की आदान-प्रदान व्यवस्था .... कहलाती है।
5. मूल्यवान एवं कम वजनी वस्तुओं का परिवहन .... द्वारा होता है।

उत्तर— 1. संयुक्त राज्य अमेरिका, 2. ट्रंक, 3. तेल एवं गैस, 4. संचार, 5. वायुयान।

प्रश्न 3. उचित संबंध जोड़िये—

(अ)	(ब)
1. व्यापार का आधार	(a) कृत्रिम उपग्रह से
2. सबसे प्राचीन परिवहन	(b) मिस्र देश का
3. दुग्ध पाइप लाइन	(c) परिवहन और संचार
4. अंतर्राष्ट्रीय संचार	(d) थल परिवहन
5. स्वेज नहर पर आधिपत्य	(e) गुजरात में।

उत्तर— 1. (c), 2. (d), 3. (e), 4. (a), 5. (b).

प्रश्न 4. सत्य/असत्य चुनकर लिखिये—

1. विश्व में सर्वाधिक सड़कों का विस्तार संयुक्त राज्य अमेरिका में है।
2. विश्व का सबसे लम्बा रेलमार्ग ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग नहीं है।
3. आंतरिक जलमार्ग के लिये अमेजन नदी का उपयोग नहीं हो पाता है।
4. स्वेज नहर के कारण उत्तरी अमेरिका के पूर्वी और पश्चिमी तट की दूरी कम हो गयी है।
5. परिवहन का तीव्रगामी साधन वायुयान नहीं है।

उत्तर— 1. सत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. असत्य, 5. असत्य।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 5. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए—

1. विश्व के उत्पादित पदार्थों के व्यापार का आधार क्या है ?
2. विश्व का प्रथम रेलमार्ग कहाँ पर निर्मित हुआ ?
3. माल ढोने वाले परिवहन साधनों में किसका महत्व अधिक है ?
4. ट्रांस इण्डियन रेलमार्ग किस दरे के नीचे से जाता है ?
5. विश्व का व्यस्ततम समुद्री मार्ग कौन-सा है ?

उत्तर—1. परिवहन और संचार, 2. इंग्लैण्ड में, 3. रेलमार्गों का, 4. उस्पलाटा, 5. उत्तरी अटलांटिक मार्ग।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. परिवहन साधनों के नाम लिखिये।

उत्तर— स्थल, जल एवं वायुमार्ग परिवहन के मुख्य साधन हैं।

प्रश्न 2. इंटरनेट क्या है ?

उत्तर— कम्प्यूटर पर सूचनाओं के प्रेषण और प्राप्ति की विद्युत् अंकीय दुनिया ही इंटरनेट कहलाती है।

प्रश्न 3. दूर संवेदन क्या है ?

उत्तर— लक्ष्य को बिना स्पर्श किए उपग्रहों की सहायता से भौगोलिक सूचनाओं का संग्रहण दूर संवेदन कहलाता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. पर्वतों, मरुस्थलों तथा बाढ़ संभावित प्रदेशों में स्थल परिवहन की क्या-क्या समस्यायें हैं ? (NCERT)

उत्तर— धरातल की असमानता का सड़क परिवहन पर बहुत प्रभाव पड़ता है। पर्वतीय भाग ऊँचे,चोटीनुमा, ऊबड़-खाबड़ रास्ते से सड़क परिवहन प्रभावित होता है। मरुस्थलों में बालू की अधिकता और विषम जलवायु के कारण सड़कें बनाने में बाधा होती है। बाढ़ संभावित क्षेत्रों में वर्षा की अधिकता के कारण सड़कें डूब जाती हैं, आवागमन में बाधा उत्पन्न हो जाती है। कभी-कभी सड़कें बह जाने से मार्ग अवरुद्ध हो जाते हैं।

प्रश्न 2. आर्थिक क्रियाकलापों में परिवहन का क्या महत्व है ?

उत्तर—उत्पादन, विनिमय, वितरण और उपभोग आर्थिक क्रियाकलापों में ही गिने जाते हैं। विनिमय और वितरण के लिये परिवहन आवश्यक है। विनिमय का कार्य स्थायी और दूरगामी दोनों होता है। दोनों के लिये परिवहन् आवश्यक है। परिवहन में वस्तु, विचार, व्यक्ति सभी का लाना-ले जाना होता है। अतः आर्थिक क्रियाकलापों को पूर्ण करने के लिय परिवहन आवश्यक है।

प्रश्न 3. पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग क्या होता है ? (NCERT)

उत्तर— वे रेलमार्ग जो पूरे महाद्वीप से गुजरते हुए उसके दोनों तटों को जोड़ते हैं उन्हें पार महाद्वीपीय रेलमार्ग कहते हैं। जैसे— ट्रांस-साइबेरियन रेलमार्ग।

प्रश्न 4. स्थल परिवहन में महत्वपूर्ण साधन कौन-सा है और क्यों ?

उत्तर— स्थल परिवहन में महत्वपूर्ण साधन सड़कें हैं। सड़कें छोटे-छोटे गाँवों को, खेतों को, खलिहानों को, खदानों को, कल-कारखानों को सभी को महानगरों से जोड़ती हैं। उत्पादन से उपभोक्ता तक सभी को माल, यात्री, सेवा, दवा, बाजार को जोड़ने में सड़कें सहायक हैं इसीलिए स्थल परिवहन में इनका महत्व है। भौगोलिक दशाओं की विविधता में भी सड़कें बनाना आसान होता है।

प्रश्न 5. वायु यातायात क्यों महत्वपूर्ण है ?

उत्तर—यह परिवहन का सर्वाधिक तीव्र साधन है। मात्र 35 घंटे में विश्व के किसी भी कोने में वायु परिवहन द्वारा पहुँचा जा सकता है। दुर्गम इलाकों में व प्राकृतिक आपदाओं में भी यह तीव्रता से काम करता है। बाह्य आक्रमण और युद्ध काल में इसे देश की शक्ति माना जाता है, इसलिये यह महत्वपूर्ण है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 6. जल परिवहन के क्या लाभ हैं ?

उत्तर— जल परिवहन के निम्नलिखित लाभ हैं—

(1) जल परिवहन के लिये मार्गों का निर्माण नहीं करना पड़ता।

(2) यह परिवहन का सस्ता और सुगम साधन है।

(3) इसमें ऊर्जा लागत कम होती है।

(4) सभी महासागर आपस में जुड़े होने के कारण विस्तृत आवागमन की सुविधा होती है।

(5) भारी वस्तुओं, मशीनों, खाद्य पदार्थों के परिवहन के लिये यह सुगम साधन है।

प्रश्न 7. भारत में उपग्रह का विकास कैसे हुआ ?

उत्तर—भारत सरकार का उपग्रह प्रक्षेपण कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। सोवियत संघ की सहायता से प्रथम भारतीय संचार उपग्रह आर्यभट्ट सन् 1975 में छोड़ा गया था। जून 1979 को भास्कर I और जुलाई 1980 में रोहिणी उपग्रह छोड़ा गया। इस प्रकार उपग्रह के क्षेत्र में भारत का विकास सराहनीय है।

प्रश्न 8. आंतरिक जलमार्ग किस पर आधारित होते हैं ?

उत्तर—आंतरिक जलमार्ग नदियों और नहरों पर आधारित होते हैं। समतल मैदानी भागों में बहने वाली, सदा वाहिनी नदियाँ और उनसे निकाली गयी नहरें आंतरिक जलमार्ग का उत्तम साधन हैं। भारत के उत्तरी मैदान में नदियाँ आंतरिक जलमार्ग का काम करती हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. "एक सुप्रबंधित प्रवाह प्रणाली में विभिन्न माध्यम एक-दूसरे के संपूरक होते हैं।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए। (NCERT)

उत्तर—व्यक्ति और वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक वहन करने की सुविधा को परिवहन कहते हैं। स्थूल एवं भारी सामानों का परिवहन समुद्री मार्गों से होता है। छोटी दूरियों का परिवहन सड़क मार्गों के द्वारा किया जाता है। यह छोटे से छोटे स्थानों तक जाता है। रेलमार्ग देश के आंतरिक भागों में भारी सामानों के परिवहन के लिये उपयुक्त है। हल्के, कीमती एवं नाशवान सामानों के परिवहन के लिए वायुयानों का प्रयोग किया जाता है। इस प्रकार परिवहन के विभिन्न माध्यम एक-दूसरे के संपूरक हैं।

प्रश्न 2. संयुक्त राज्य अमेरिका में सड़कों का विकास अधिक क्यों हुआ ?

उत्तर—संयुक्त राज्य अमेरिका औद्योगिक एवं व्यापारिक दृष्टि से विकसित है। कृषि, उद्योग, खनिज क्षेत्र, बाजार सभी यहाँ पर विकसित क्षेत्रों के अन्तर्गत आते हैं, जहाँ कच्चा माल एवं पक्का माल दोनों का परिवहन सड़कों द्वारा किया जाता है। कृषक फार्म इतने बड़े हैं कि यंत्रों को, उपजों को उत्पादित माल को बाजार से लाने ले जाने के लिये सड़कों का जाल बिछाया गया है। औद्योगिक, व्यापारिक और उन्नत कृषि + पशुपालन व्यवस्था के कारण प्रत्येक गाँव, नगर और कस्बा सड़क मार्गों से जुड़ा है। यही कारण है कि सर्वाधिक सड़कें संयुक्त राज्य अमेरिका में पाई जाती हैं। लगभग 50 लाख किलोमीटर सड़कें संयुक्त राज्य अमेरिका में हैं। सभी पक्की एवं सुव्यवस्थित हैं।

प्रश्न 3. वे कौन-सी विधायें हैं, जिनके द्वारा साइबर स्पेस मनुष्यों के समकालीन आर्थिक और सामाजिक स्पेस की वृद्धि करेगा। (NCERT)

उत्तर—ई. मेल, ई. वाणिज्य, ई. शिक्षा, ई. प्रशासन इन विधाओं के द्वारा साइबर स्पेस मनुष्यों के समकालीन आर्थिक और सामाजिक स्पेस की वृद्धि करेगा। फैक्स, टेलीविजन और रेडियो के साथ इंटरनेट समय और स्थान की सीमा के परे अधिक-से-अधिक लोगों तक पहुँच गया है। अभी ये तीव्रगामी संचार प्रणाली है जिसने "वसुधैव कुटुम्बकम" की संकल्पना को साकार किया है।

शैक्षणिक संस्थानों, निजी कंपनियों आदि के द्वारा इनसे प्राप्त सूचनाओं का उपयोग आर्थिक नियोजन, प्रदूषण नियंत्रण, भौतिक प्रतिरूपों को पहचानने के लिये किया जायेगा। तकनीकी विकास के कारण इस पर लगाये गये प्रतिबंध भी समाप्त हो रहे हैं। यह भविष्य के विकास का आधार है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 4. विश्व का व्यस्ततम समुद्री मार्ग कौन-सा है और क्यों ?

उत्तर— उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग विश्व का व्यस्ततम समुद्री मार्ग है। यह मार्ग विश्व के दो औद्योगिक देश पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के तटों को जोड़ता है। इन तटों पर विशाल औद्योगिक क्षेत्र, कृषि प्रधान क्षेत्र, प्रसिद्ध पशुपालन केन्द्र स्थित हैं। व्यापार विकसित हैं। निवासियों का उच्च जीवन स्तर है। वस्तुओं की खपत अधिक होती है। विश्व के 30 बड़े बंदरगाह इन्हीं तटों पर हैं। पश्चिमी यूरोप के बंदरगाह ग्लास्गो, लिवरपूल, मैनचेस्टर, साउथ हैम्पटन, लंदन, लिस्बन, राटर्डम, हैम्बर्ग, रोम, नैपिल्स इसी मार्ग पर आते ह। उत्तरी अमेरिका के पूर्वी किनारे के मुख्य बंदरगाहों में क्यूबेक, मांट्रियल, हैलिफेक्स, न्यूयार्क, फिलाडेल्फिया, बाल्टीमोर न्यूआर्लियन्स इस मार्ग के मुख्य बंदरगाह हैं।

इस मार्ग से सं.रा.अ. का कपास, गेहूँ, पेट्रोलियम उत्पाद, मोटर कार वस्त्र का व्यापार होता है। यूरोप से मशीनें, दवाइयाँ, रासायनिक पदार्थ और तैयार माल का निर्यात होता है।

प्रश्न 5. स्वेज और पनामा नहर की तुलना कीजिए।

उत्तर—स्वेज और पनामा नहर की तुलना—

स्वेज नहर	पनामा नहर
1. स्वेज नहर मिश्र देश के अधिकार में है।	1. पनामा नहर संयुक्त राज्य अमेरिका के अधिकार में है।
2. स्वेज नहर भूमध्य सागर को लाल सागर से जोड़ती है।	2. पनामा नहर अटलांटिक महासागर को प्रशांत महासागर से जोड़ती है।
3. यह 165 कि.मी लम्बी, 65 मी. चौड़ी और गहराई 11 मीटर है।	3. इसकी लम्बाई 80 कि.मी., चौड़ाई 90 मीटर और गहराई 12 मीटर है।
4. समतल मैदान में होने के कारण इसको बनाने में व्यय कम हुआ।	4. इसे पठारी भूमि पर बनाने के कारण बनने में अधिक व्यय हुआ।
5. इस नहर को यात्री एवं माल का किराया पर्याप्त मिलता है, क्योंकि आसपास घनी आबादी है।	5. पठारी एवं कम आबादी वाले क्षेत्र से जाने के कारण यात्री एवं माल किराया कम मिलता है।

प्रश्न 6. वायु यातायात से क्या-क्या लाभ-हानियाँ होती हैं ?

उत्तर— वायु यातायात तीव्रगामी एवं सुगम यातायात है। इसकी लाभ-हानि इस प्रकार है—

लाभ— (1) तीव्र परिवहन का साधन है। कुछ ही घंटों में विश्व के किसी भी स्थान तक पहुँचा जा सकता है।

(2) दुर्गम क्षेत्रों में भी आवागमन का उत्तम साधन है।

(3) प्राकृतिक आपदाओं में इससे तीव्रता से कार्य किया जा सकता है।

(4) युद्ध के समय सर्वाधिक उपयोगी साधन है।

हानि— (1) परिवहन का महँगा साधन है। धनी वर्ग ही इसका उपयोग कर सकता है।

(2) खराब मौसम में इससे यात्रा संभव नहीं होती।

(3) इसमें दुर्घटनायें एवं अपहरण आदि की संभावनाएँ अधिक होती हैं।

(4) तीव्र परिवहन ह, किन्तु तत्काल उपलब्ध नहीं होता।

प्रश्न 7. विश्व के वे कौन-से प्रमुख देश हैं जहाँ वायुमार्ग का सघन तंत्र पाया जाता है ? (NCERT)

उत्तर— विश्व के प्रमुख देशों में पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका, पश्चिमी यूरोप और दक्षिण पूर्वी एशिया में वायुमार्गों का सघन जाल बिछा है। इसके प्रमुख कारण इस प्रकार हैं—

1. पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका—परिवहन की सुविधा की दृष्टि से यहाँ वायु परिवहन का महत्व अधिक है। यहाँ की तीन चौथाई जनसंख्या वायुमार्गों द्वारा परिवहन करती है। यात्री, माल, कृषि कार्यों आदि के

Scanned with CamScanner

लिए भी वायु परिवहन का उपयोग किया जाता है। न्यूयार्क, बोस्टन, शिकागो, मियामी, न्यूआर्लियन्स ह्यूटन यहाँ के मुख्य एवं व्यस्त हवाई अड्डे हैं।

2. पश्चिमी यूरोप— वायु परिवहन का यहाँ भी सघन जाल बिछा है। यात्री, व्यापार, माल, कृषि पदार्थ सभी के परिवहन के लिये वायु मार्ग का प्रयोग अधिक होता है।

3. दक्षिण पूर्वी एशिया— दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों में जापान, भारत, चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, फिलीपाइन्स आदि में वायु परिवहन का सघन जाल बिछा है। कीमती वस्तुएँ, दवाइयाँ, डाक आदि का परिवहन वायुयान से होता है। कराची, मुम्बई, कोलकाता, चेन्नई, बैंकाक, टोकियो, ओसाका, जकार्ता, सिंगापुर, शंघाई अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के हवाई अड्डे हैं।

प्रश्न 8. रेल परिवहन को प्रभावित करने वाले कारकों के नाम लिखकर किन्हीं दो का वर्णन कीजिये।

उत्तर—विश्व का प्रथम रेलमार्ग 1825 ई. में इंग्लैण्ड में बना और सन् 1830 में पहली रेल इंग्लैण्ड में मेनचेस्टर से लीवरपुल तक चली। उसके बाद विश्व के अन्य भागों में रेलमार्गों का विकास हुआ।

माल को तीव्रता से ढोने, फसलों और खनिजों को ढोने के लिए रेल परिवहन ही सर्वश्रेष्ठ है। इसको प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित हैं—

1. भौतिक कारक— धरातल, जलवायु

2. आर्थिक कारक— खनिज संसाधन, औद्योगिक विकास, व्यापार की गति, जनसंख्या का घनत्व।

वर्णन—(1) भौतिक कारक—समतल मैदानी भाग रेलमार्गों के विकास के लिये अनुकूल होते हैं। दलदली, पहाड़ी, अति ठण्डे प्रदेशों में रेल यातायात सुगम नहीं होता। बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र भी नहीं होने चाहिए जिससे बार-बार रेलमार्ग खराब होते हैं। जलवायु अत्यधिक नम, गीली अथवा उष्ण नहीं होना चाहिए जिससे रेलमार्ग बनाने में कठिनाई होती है।

(2) आर्थिक कारक—कृषि विकसित क्षेत्र होने चाहिए। खनिज प्रधान भूतल होना चाहिए, इससे माल परिवहन ज्यादा हो पाता है। सघन जनसंख्या और अधिक आर्थिक विकास में भी रेल परिवहन के लिये लाभदायक है। कृषि उत्पाद, माल, यात्री सभी के लिये रेल परिवहन उत्तम है।

प्रश्न 9. निम्नलिखित पत्तनों के महत्व का सचित्र वर्णन कीजिए—

(1) पनामा नहर, (2) स्वेज नहर, (3) मुम्बई।

उत्तर—(1) पनामा नहर का व्यापारिक महत्व—पनामा नहर संयुक्त राज्य अमेरिका के अधीन, प्रशान्त महासागर एवं अन्ध महासागर को जोड़ने वाली कड़ी है। इसका व्यापारिक महत्व निम्नलिखित है—

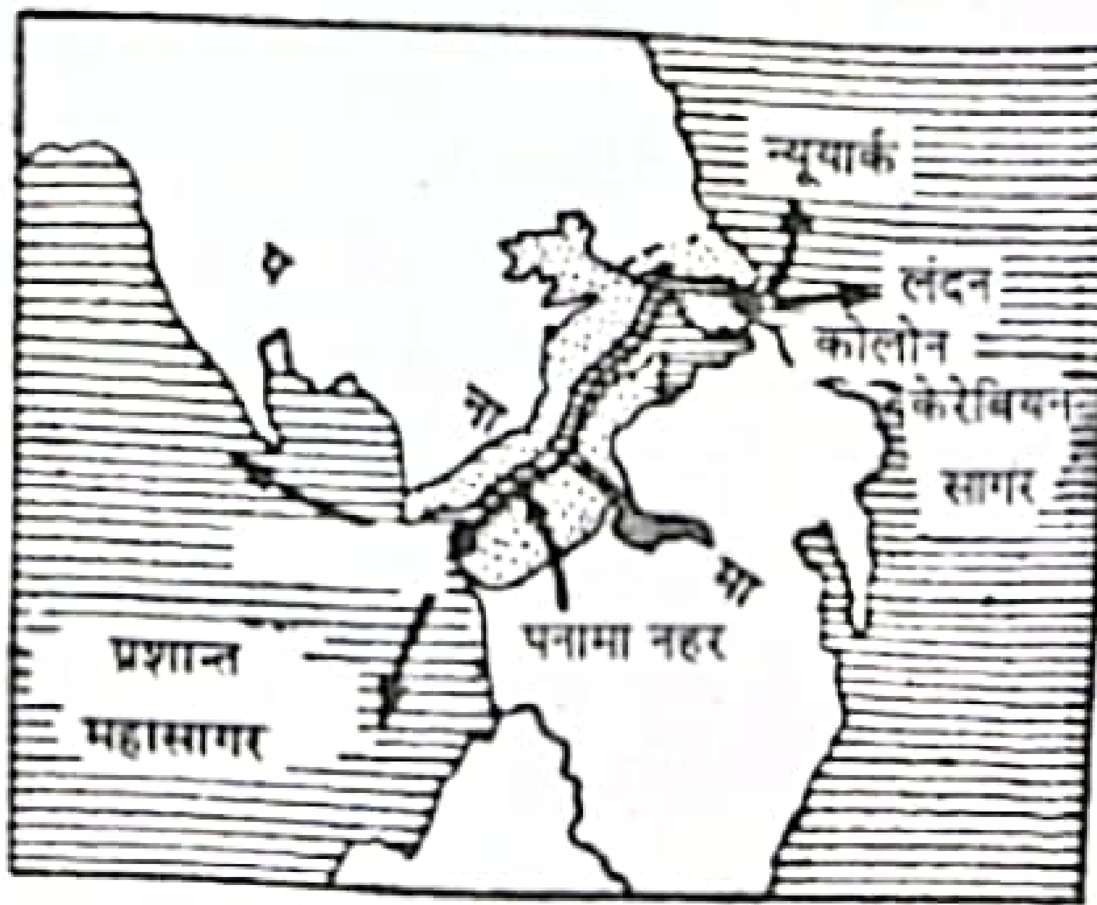

चित्र—पनामा नहर

(i) पनामा नहर के बनने से संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी एवं पश्चिमी तट की दूरी कम हो गयी है। न्यूयार्क से सेनफ्रांसिस्को की दूरी में 1,300 किमी की कमी हुई है। अब जहाजों को केपहार्न अन्तरीप का चक्कर नहीं लगाना पड़ता।

(ii) इसके निर्माण से पूर्वी एवं पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका के व्यापार में वृद्धि हुई।

(iii) न्यूजीलैण्ड से पनीर, मक्खन, भेड़ की मांस जापान से रेशम आदि इसी मार्ग द्वारा निर्यात किया जाता है।

(iv) दक्षिणी अमेरिका के चिली से शोरा, बोलिबिया से चाँदी, कोलम्बिया एवं वेनेजुएला का पेट्रोलियम, संयुक्त राज्य अमेरिका को इसी मार्ग से भेजा जाता है।

(2) स्वेज नहर का व्यापारिक महत्व —

(i) यह अरब गणराज्य में स्थित संसार की सबसे बड़ी जहाजी नहर है।

(ii) यह नहर भूमध्य सागर एवं लाल सागर को जोड़ती है।

(iii) यह मार्ग विश्व के मध्य में है और विश्व की तीन-चौथाई जनसंख्या की यातायात की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

(iv) विश्व का लगभग 15% व्यापार इसी मार्ग से होता है।

(v) यह नहर पश्चिमी एवं पूर्वी देशों के मध्य की कड़ी है। इसके बन जाने से यूरोप और एशिया के नगरों की आपसी दूरी कम हो गयी, जिससे धन एवं समय की बचत हुई।

(vi) इस मार्ग पर कोयला, खनिज तेल एवं पानी लेने की सुविधा है। साथ ही जलयानों को पर्याप्त माल एवं यात्री मिल जाते हैं।

(vii) इस नहर के बनने से पूर्वी एवं पश्चिमी सभ्यता का मेल हुआ।

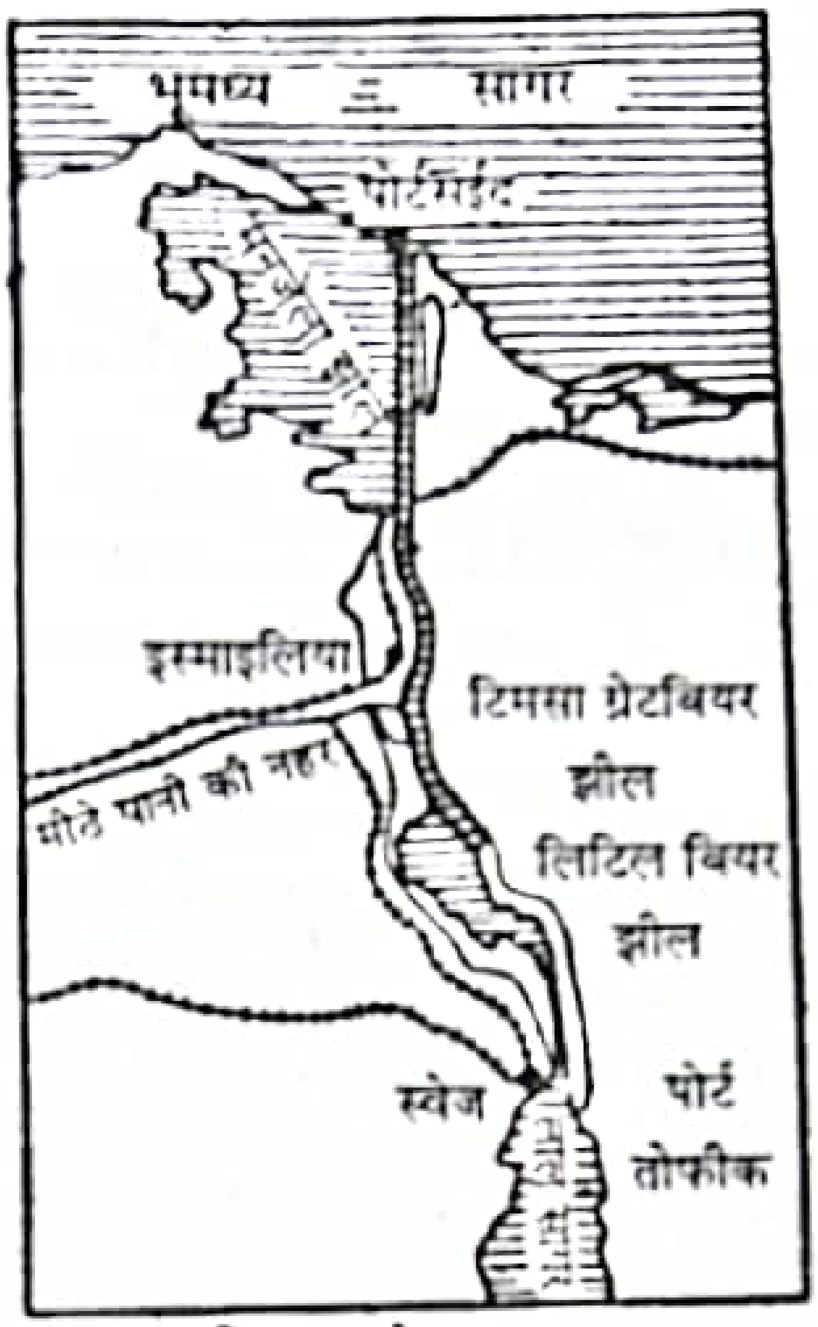

चित्र—स्वेज नहर

(3) मुम्बई —पश्चिम तट पर स्थित यह भारत का प्रमुख पत्तन है। यहाँ का प्राकृतिक पत्तन उत्तम और सुरक्षित है। यहाँ से सूती वस्त्र, कपास, खालें, मशीनें, चीनी, कृत्रिम रेशा, प्लास्टिक सामान इत्यादि का निर्यात किया जाता है तथा कृषि यन्त्र उर्वरक, पेट्रोलियम, रबर, कागज, साइन्स का सामान, मोटर-कार इत्यादि आयात किये जाते हैं। मुम्बई फिल्म उद्योग के लिए भी प्रसिद्ध है। इसे भारत का बॉलीवुड कहा जाता है।

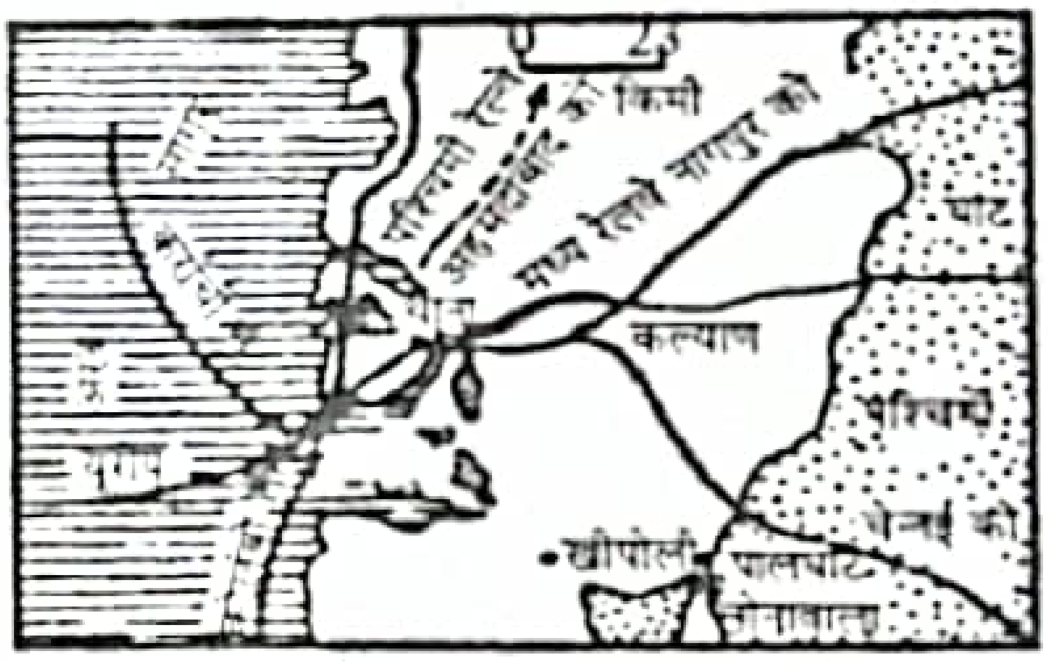

चित्र—मुम्बई

तार्किक एवं समझ पर आधारित प्रश्न

प्रश्न 1. परिवहन के साधनों के विकास को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर—परिवहन के साधनों का इतिहास वस्तुत: मानव सभ्यता के विकास का इतिहास है। मनुष्य ने अपने बुद्धि-बल से स्थल, जल और आकाश सबको परिवहन के क्षेत्र में ले लिया है। आज मनुष्य आदिकाल में भार के नीचे झुके मानव की अवस्था से उठकर रॉकेटयान में उड़ने वाले मानव की अवस्था तक पहुँच गया है, किन्तु फिर भी संसार के विभिन्न भागों में परिवहन के सभी साधन आज भी प्रचलित हैं।

आदिकाल से लेकर वर्तमान तक परिवहन के जिन साधनों का प्रयोग किया जाता रहा है उन्हें हम इन वर्गों में रख सकते हैं—(1) स्थल परिवहन, (2) जल परिवहन, (3) वायु परिवहन, (4) पाइप लाइन परिवहन।

परिवहन के किसी भी साधन की सार्थकता परिवहन की जाने वाली वस्तु एवं सेवाओं के प्रकार, परिवहन की लागत एवं उपलब्ध साधन पर निर्भर करती है। जैसे—सड़क परिवहन द्वारा कम दूरी पर एवं एक स्थान से दूसरे स्थान को सामान भेजा जा सकता है। यह तीव्रगामी एवं सस्ता साधन है, जबकि लम्बी दूरी का सामान रेल द्वारा भेजा जाता है। अन्तर्राष्ट्रीय संचलन निपटान मालवाही जलयानों द्वारा किया जाता है। उच्च मूल्य की हल्की और नाशवान वस्तुएँ वायुमार्गों द्वारा भेजी जाती हैं। आज के युग में यह समस्त साधन एक-दूसरे के पूरक हैं।

●●

अध्याय 8

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. **संसार के अधिकांश महापत्तन इस प्रकार वर्गीकृत किये गये हैं—**
(a) नौ सेना पत्तन (b) विस्तृत पत्तन (c) तैल पत्तन (d) औद्योगिक पत्तन।
2. **व्यापार का आरंभिक स्वरूप था—**
(a) नगद व्यापार (b) वस्तु विनिमय (c) रुपये देकर (d) चेक देकर।
3. **निम्नलिखित में से किस एक से व्यापार विश्व व्यापार का सर्वाधिक प्रवाह होता है—**
(a) एशिया (b) यूरोप (c) उत्तरी अमेरिका (d) अफ्रीका।
4. **निम्न व्यापार समूहों में से भारत किसका एक सह-सदस्य है—**
(a) साफ्टा (SAFTA) (b) आसियान (ASEAN)
(c) ओइसीडी (OECD) (d) ओपेक (OPEC)।
5. **व्यापारिक उदारीकरण का दूसरा नाम है—**
(a) मुक्त व्यापार (b) संयुक्त व्यापार (c) एकल व्यापार (d) शून्य व्यापार।
6. **अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन की स्थापना की गयी—**
(a) सन् 1930 में (b) सन् 1935 में (c) सन् 1940 में (d) आजादी के समय।

उत्तर— 1. (b), 2. (b), 3. (b), 4. (a), 5. (a), 6. (a).

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. दक्षिणी अमेरिकी राष्ट्रों में .... ओपेक का सदस्य है।
2. व्यापार का प्रारंभ चीन के .... मार्ग से माना जाता है।
3. परिवहन और संचार के सर्वाधिक प्रभाव से वस्तु और .... को गति मिली।
4. वर्तमान समय में व्यापार का मुख्य आधार .... बैंकिंग है।
5. वाणिज्यिक पत्तन उद्योगों से .... वस्तु व्यापार का कार्य करते हैं।

उत्तर— 1. वेनेजुएला, 2. रेशम, 3. सेवा, 4. इंटरनेट, 5. निर्मित।

प्रश्न 3. उचित संबंध जोड़िये—

(अ)	(ब)
1. आदिम समाज में व्यापार	(a) पत्तन
2. विश्व व्यापार संगठन	(b) मुक्त व्यापार
3. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधार	(c) इंटरनेट बैंकिंग
4. वैश्वीकरण	(d) सन् 1995
5. विश्व व्यापार का आधार	(e) वस्तु विनिमय।

उत्तर— 1. (e), 2. (d), 3. (a), 4. (b), 5. (c).

प्रश्न 4. सत्य/असत्य चुनकर लिखिये—

1. चीन का रेशम मार्ग व्यापार का प्रारंभ माना जाता है।
2. मुक्त अर्थव्यवस्था का आधार व्यापारिक उदारीकरण ही है।
3. सन् 1995 में विश्व व्यापार संगठन अस्तित्व में नहीं आया।
4. विश्व में 120 प्रादेशिक व्यापार समूह हैं।
5. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रदूषण का खतरा भी बढ़ता जा रहा है।

उत्तर— 1. सत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. सत्य, 5. सत्य।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 5. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए—

1. यूरोपीय व्यापारियों ने किस व्यापार को बढ़ावा दिया ?
2. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार क्यों प्रारंभ हुआ ?
3. अधिक व्यापार प्रतिस्पर्धा से क्या हानि हुई ?
4. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कब से बढ़ा है ?
5. मुक्त व्यापार का स्वरूप कैसा होना चाहिये ?

उत्तर—1. दास व्यापार, 2. उत्पादों की विविधता के कारण, 3. पर्यावरण प्रदूषण बढ़ा, 4. औद्योगिक क्रांति के बाद, 5. मित्रवत् होना चाहिये।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. व्यापार क्या है ?

उत्तर—वस्तुओं और सेवाओं के स्वैच्छिक आदान-प्रदान को व्यापार कहते हैं।

प्रश्न 2. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार क्या है ?

उत्तर—भिन्न-भिन्न देशों के बीच अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर वस्तुओं और सेवाओं का स्वेच्छा से आदान-प्रदान अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कहलाता है।

प्रश्न 3. व्यापार संतुलन क्या है ?

उत्तर—किसी भी देश का आयात-निर्यात मूल्यों का अन्तर व्यापार संतुलन कहलाता है।

प्रश्न 4. द्विदेशीय व्यापार क्या है ?

उत्तर—दो देशों के बीच होने वाला व्यापार द्विदेशीय व्यापार कहलाता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. विश्व व्यापार संगठन के आधारभूत कार्य कौन-से हैं ? **(NCERT)**

उत्तर— विश्व व्यापार संगठन का कार्य है—उच्च सीमा शुल्क और विभिन्न प्रकार की अन्य बाधाओं को दूर करने के नियम बनाना और उन नियमों का पालन करना। इसके सदस्य देशों के मध्य यह विवादों का निपटारा करता है। दूर संचार और बैंकिंग सेवाओं के कार्यों को भी अपने कार्यों में सम्मिलित कर पूर्ण करता है।

प्रश्न 2. व्यापारिक समूहों के निर्माण द्वारा राष्ट्रों को क्या लाभ प्राप्त होते हैं ? **(NCERT)**

उत्तर—व्यावसायिक एवं व्यापारिक दृष्टि से प्रत्येक राष्ट्र के लिए व्यापारिक समूहों का निर्माण आवश्यक है। इसके लाभ इस प्रकार हैं—

(1) भौगोलिक दूरी घटकर, समरूपता और पूरकता के साथ विभिन्न देशों के बीच व्यापार में वृद्धि होती है। (2) व्यापार शुल्क कम हो जाता है, (3) प्रादेशिक व्यापार में वृद्धि होने लगती है, (4) नये-नये व्यापार की स्थिति को जन्म मिलता है।

प्रश्न 3. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के क्या आधार हैं ?

उत्तर—अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधार है—1. प्राकृतिक संसाधनों में भिन्नता, 2. विशिष्ट उत्पादन, 3. अधिक उत्पादन, 4. आर्थिक विकास में भिन्नता, 5. व्यापार नीति, 6. युद्ध और शांति, 7. राजनैतिक संबंध।

प्रश्न 4. व्यापार समूह क्या है ?

उत्तर—व्यापार में संरक्षण एवं बाधाओं के निराकरण के लिये व्यापार समूहों का गठन किया गया। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की बाधाओं को दूर करने के लिये अधिकांश देशों ने वस्तुओं पर आयात शुल्क घटाया तथा नियंत्रण कम कर दिया। इसके लिये बने व्यापार समूह इस प्रकार हैं—

1. यूरोपीय संघ, 2. उत्तर अमेरिका स्वच्छंद व्यापार संघ, 3. पेट्रोलियम निर्यात देशों का संगठन, 4. दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्र संगठन, 5. दक्षिण एशिया क्षेत्रीय संगठन।

प्रश्न 5. ऋणात्मक भुगतान संतुलन का होना किसी देश के लिए क्यों हानिकारक होता है ?

उत्तर—विक्रय से अधिक क्रय होना ऋणात्मक भुगतान संतुलन की स्थिति है। इससे वित्तीय व्यवस्था कमजोर होकर देश के आर्थिक विकास पर प्रभाव पड़ता है। ऋणात्मक भुगतान देश के आर्थिक विकास की दृष्टि से हानिकारक माना जाता है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 6. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रकार लिखिये।

उत्तर—अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार दो प्रकार से होता है—

1. द्विपक्षीय व्यापार—दो देशों के बीच अपनी अर्थव्यवस्था के अनुसार व्यापार की स्थिति द्विपक्षीय व्यापार है।

2. बहुपक्षीय व्यापार—बहुत से व्यापारिक देशों के बीच होने वाला व्यापार बहुपक्षीय व्यापार कहलाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. पत्तन किस प्रकार व्यापार के लिए सहायक होते हैं ? पत्तनों का वर्गीकरण उनकी अवस्थिति के आधार पर कीजिए। **(NCERT)**

उत्तर—किसी देश के पत्तन समुद्र से स्थल और स्थल से समुद्र को जोड़ने के केन्द्र होते हैं। जल परिवहन सुलभ और सस्ता साधन होने के कारण व्यापार के लिए पत्तन अधिक महत्वपूर्ण है। इनके द्वारा जहाजों का माल और यात्री एक देश से दूसरे देश को पहुँचते हैं। इनके द्वारा आयात-निर्यात व्यापार के लिये सुविधा होती है।

पत्तनों की अवस्थिति के आधार पर उन्हें दो भागों में बाँटा गया है—

(अ) आंतरिक पत्तन—जो पत्तन समुद्र से काफी दूर होते हैं वे आंतरिक पत्तन कहलाते हैं। इन आंतरिक पत्तनों को किसी नदी या नहर द्वारा समुद्र तक जोड़ा जाता है। इनसे स्थल के आंतरिक भागों तक जहाजों का आना-जाना होता है। उदाहरण के लिये मैनेचेस्टर पत्तनों (इंग्लैण्ड), मेफिस बंदरगाह (सं.रा.अ.)

(ब) बाह्य पत्तन—इन्हें गहरे समुद्रों में बनाया जाता है। ये वास्तविक पत्तन से दूर रहते हैं। बड़े-बड़े जहाज समुद्री तलछट के कारण आंतरिक पत्तन तक नहीं जा सकते अत: उनके लिये गहरे समुद्रों में बाह्य पत्तन बनाये जाते हैं। ये भी दो प्रकार के होते हैं—

1. आंत्रपो पत्तन—ये पत्तन दूसरे देशों से आने वाले माल का केवल संग्रह करते हैं। जैसे एशिया का सिंगापुर, यूरोप का रॉटरडम और कोपेनहेगेन।

2. नौसैनिक पत्तन—इन स्थानों पर केवल नौ सेना के लड़ाकू जहाज रखे जाते हैं। इनका व्यापारिक उपयोग नहीं, केवल सामरिक उपयोग किया जाता है। भारत के कोच्चि और कारवाड़ इसके उत्तम उदाहरण हैं।

प्रश्न 2. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से देश कैसे लाभ प्राप्त करते हैं ? **(NCERT)**

उत्तर—सभी राष्ट्रों के हितों की दृष्टि से अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार बहुत महत्वपूर्ण है। इसके लाभ इस प्रकार हैं—

1. प्रादेशिक विशिष्टता—अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से अलग-अलग देशों को प्रादेशिक विशिष्टता प्राप्त होती है। प्रत्येक देश के अपने विशिष्ट उत्पादन होते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से उन्हें बाजार मिलता है। उनकी पहचान बनती है। उनकी प्रादेशिक विशिष्टता से व्यापार बढ़ता है।

2. उत्पादक स्तर में वृद्धि—अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के कारण प्रत्येक राष्ट्र के उत्पादन स्तर में वृद्धि होती है। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार वस्तु विक्रय के लिये जहाँ बाजार प्रदान करता है, वहीं प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा मिलता है। आपसी प्रतिस्पर्धा के कारण माल निर्माण का स्तर भी बढ़ाना पड़ता है।

3. रहन-सहन के स्तर में वृद्धि—अन्तर्राष्ट्रीय व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के कारण सब माल सब जगह और हर समय पर मिलने लगा है। इससे लोगों की चाहत और माँग बढ़ रही है। नई-नई चीजों की प्राप्ति के कारण रहन-सहन के स्तर में वृद्धि होती जा रही है।

4. विश्वव्यापी उपलब्धता—अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के कारण एक देश का उत्पादित माल विश्व के कई देशों में उपलब्ध हो जाता है। माल बनाने वाले कारीगर भी किसी भी स्थान पर अपनी सेवायें दे सकते हैं। इस प्रकार माल, सेवा और उत्पादक कर्मचारी का विश्वव्यापीकरण होते जा रहा है।

5. कीमतों और सेवामूल्य में समानता—अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के कारण उत्पादन में विशिष्टता होती है। एक फर्म का उत्पादन विभिन्न देशों में विक्रय के लिए जाता है। इससे मूल्यों में लगभग समानता बनी रहती है। उत्पादकों के वेतन में भी समानता बनी रहती है।

Scanned with CamScanner

6. ज्ञान एवं संस्कृति का विकास—अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के कारण ज्ञान और संस्कृति में विकास हो रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार की प्रतिस्पर्धा के कारण प्रत्येक देश अपने निर्माण व्यवसाय के स्तर को बनाये रखता है। एक देश का ज्ञान दूसरे देश तक पहुँचता है तथा परस्पर संस्कृति का भी विकास होता है।

प्रश्न 3. विशिष्टीकृत कार्यकलापों के आधार पर पत्तनों के प्रकार लिखिये।

उत्तर—विशिष्टीकृत कार्यकलापों के आधार पर पत्तनों के प्रकार—

1. तैल पत्तन—खनिज तेल उसका प्रक्रमण और परिवहन का कार्य करते हैं। एशिया का अबादान, वेने-जुएला का मारकाइबो इस श्रेणी में आते हैं।

2. मार्ग पत्तन—समुद्री मार्गों पर विश्राम के लिये, ईंधन भरने के लिये, खाद्य सामग्री लेने के लिये इनका महत्व बना रहता है। इसमें सिंगापुर, होनोलूलू मुख्य हैं।

3. पैकेट स्टेशन—छोटी दूरियों को जोड़ने के लिये, डाक,यात्री आदि के परिवहन के लिये ये उपयोगी है। इसमें इंग्लैण्ड का डोबर, फ्रांस का कैलाइस मुख्य है।

4. आंत्रपो पत्तन—विभिन्न देशों को निर्यात की जाने वाली वस्तुयें इस केन्द्र पर एकत्रित की जाती हैं। इन्हें संग्रहण केन्द्र भी कहा जाता है। **जैसे**—सिंगापुर,रोटरडम,कोपेनहेगेन आदि।

5. नौ-सेना पत्तन—युद्ध संबंधी जहाजों को रुकने, मरम्मत करने, उनके रख-रखाव आदि के लिये इन्हें बनाया जाता है। ये सामरिक महत्व के या युद्ध पत्तन कहलाते हैं। भारत के कोच्चि, कारवाड़ इसी श्रेणी में आते हैं।

प्रश्न 4. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से क्या हानियाँ हैं ?

उत्तर—अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार आर्थिक विकास का मापदण्ड है, किन्तु इससे कुछ हानियाँ होती हैं, जो इस प्रकार हैं—

(1) कच्चा माल निर्यात करने वाले देशों का औद्योगिक विकास नहीं हो पाता, (2) परस्पर देशों की निर्भरता बढ़ती जाती है, (3) औद्योगिक विशिष्टीकरण के कारण किसी भी राष्ट्र का सर्वांगीण विकास नहीं हो पाता है, (4) प्रतिस्पर्धा को भावना अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रही है, (5) संसाधनों का तीव्र गति से शोषण हो रहा है।

प्रश्न 5. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए आवश्यक कारक लिखकर उनका वर्णन कीजिए।

उत्तर—अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए आवश्यक कारक निम्नलिखित हैं—

1. देशों का पारस्परिक संपर्क एवं विनिमय की इच्छा—व्यापार हेतु दोनों पक्षों का पारस्परिक संपर्क हो तथा दोनों एक-दूसरे से लेन-देन की इच्छा रखते हों। पारस्परिक सम्पर्क द्वारा देश एक-दूसरे की आवश्यकता से परिचित होते हैं।

2. अतिरिक्त वस्तुओं का उत्पादन—व्यापार हेतु देश में आवश्यकता से अधिक वस्तुओं का उत्पादन होना आवश्यक है ताकि घरेलू आवश्यकता की पूर्ति होने के पश्चात् शेष बचे माल को दूसरे देश को भेजा जा सके। कुछ देश अपनी तकनीकी दक्षता एवं कुशलता के द्वारा वृहत् मात्रा में उत्पादन करते हैं जैसे जापान तथा पश्चिमी देश मशीनों एवं दवाओं का उत्पादन आवश्यकता से अधिक करते हैं एवं उन देशों को निर्यात करते हैं जहाँ इनका उत्पादन नहीं होता। बदले में खनिज तेल, खाद्यान्न, कच्चा माल आदि आयात करते हैं।

3. उत्पादों में विभिन्नता—व्यापार हेतु उत्पादों में विविधता आवश्यक है, समान वस्तुएँ होने से व्यापार नहीं होगा। जैसे-संयुक्त राज्य अमेरिका एवं अर्जेण्टाइना के बीच खाद्यान्न का व्यापार नहीं हो सकता क्योंकि दोनों के यहाँ गेहूँ की खेती होती है।

सम्पूर्ण विश्व में प्राकृतिक संसाधनों का वितरण समान नहीं है कारण धरातलीय संरचना, भूमि, जलवायु, मिट्टी, वनस्पति, जीव-जन्तु आदि में भिन्नता है। विभिन्न देशों में अलग-अलग प्रकार की वस्तुओं, सेवाओं का उत्पादन होता है। इस विविधता के कारण देशों के बीच परस्पर व्यापार होता है।

4. आर्थिक विकास में विभिन्नताएँ—विभिन्न देशों के आर्थिक विकास में अंतर होने से अलग-अलग प्रकार की आवश्यकताएँ उत्पन्न होती हैं। जैसे—कम विकसित देशों को निर्मित माल की आवश्यकता होती है तथा औद्योगिक विकसित राष्ट्रों को कच्चे माल की आवश्यकता होती है। उदाहरणार्थ, ब्रिटेन औद्योगिक दृष्टि से

Scanned with CamScanner

उन्नत राष्ट्र है। यह देश अपने उद्योगों के लिए कच्चा माल एवं अपनी जरूरत के लिए अनाज, मांस और ऊन कम विकसित देशों से आयात करता है और बदले में औद्योगिक उत्पाद उन देशों को निर्यात करता है।

5. जनसंख्या वितरण की भिन्नता—विश्व में जनसंख्या का वितरण असमान है—जैसे कि चीन, भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान में बहुत अधिक जनसंख्या निवास करती हैं, जबकि आस्ट्रेलिया, कनाडा, सोवियत संघ में अल्प जनसंख्या निवास करती है। अधिक जनसंख्या वाले देश उपलब्ध संसाधनों से अपनी आवश्यकता की पूर्ति नहीं कर पाते। कम जनसंख्या वाले देश अधिक जनसंख्या वाले देशों को प्राय: खाद्यान्न एवं कृषि उपजों का निर्यात करते हैं, जैसे—कनाडा, आस्ट्रेलिया, अर्जेण्टाइना आदि देश गेहूँ का निर्यात यूरोपीय तथा अन्य सघन जनसंख्या वाले देशों को करते हैं।

6. विदेशी पूँजी निवेश—निर्धन देश बड़े-बड़े उद्योगों के लिए पूँजी जुटाने में असमर्थ होते हैं, विकसित एवं सम्पन्न देश; जैसे—संयुक्त राज्य अमेरिका, सोवियत संघ, ब्रिटेन, फ्रांस आदि ऐसे देशों में अपनी पूँजी लगाते हैं, जिससे उन्हें अपने उद्योगों के लिए कच्चा माल-धातु अयस्क, भोज्य पदार्थ आदि सुलभ होते हैं और उनके यहाँ के निर्मित माल के लिए ये देश मण्डियों की भूमिका निभाते हैं। जैसे—ब्रिटेन ने भारत में चाय बागान और मलेशिया में रबर बागान में पूँजी निवेश किया है।

7. उन्नत परिवहन साधन—उन्नत परिवहन साधनों के अभाव में अधिक एवं उत्तम कोटि का माल भी मण्डियों में न पहुँचने के कारण व्यर्थ होता है। अत: परिवहन साधन जितने ही अधिक उन्नत एवं विकसित होंगे, व्यापार उतना ही अधिक उन्नति करेगा। आज विश्व में तीव्रगामी एवं भारी परिवहन क्षमता वाले परिवहन साधनों के विकास के कारण ही भारी माल; जैसे—कोयला, पेट्रोलियम, उर्वरक आदि का व्यापार बहुत बढ़ा है।

8. सरकार की व्यापार नीति—अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए उदार सरकारी नीति आवश्यक होती है। प्राय: सरकारें आयात व्यापार को कम तथा निर्यात व्यापार को बढ़ाने के प्रयास में आयातित वस्तुओं पर भारी टैक्स (कर)लगा देती हैं और निर्यात के लिए विभिन्न प्रकार की छूट देती हैं।

9. राजनैतिक संबंध—परस्पर अच्छे संबंध वाले देशों के बीच व्यापार भली-भाँति पनपता है। जैसे—यूरोपीयन साझा बाजार (European Common Market) के देशों में परस्पर अधिक व्यापार होता है।

10. देश की स्थिति—भौगोलिक स्थिति भी व्यापार को प्रभावित करती है, जैसे—ब्रिटेन विश्व के समस्त जलमार्गों और वायुमार्गों का केन्द्र बिन्दु है, इसलिए आज भी ब्रिटेन का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बहुत उन्नत है।

11. जन-रुचि—ब्रिटेनवासी चाय और संयुक्त राज्य अमेरिका निवासी कॉफी (कहवा)पीने में रुचि रखते हैं। अत: ब्रिटेन चाय और संयुक्त राज्य अमेरिका कॉफी का आयात करते हैं।

12. युद्ध एवं शान्ति—अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के विकास के लिए शांति का बने रहना आवश्यक होता है। क्योंकि युद्ध के समय अस्त्र-शस्त्र का ही व्यापार होता है। अन्य सभी प्रकार के व्यापार बंद हो जाते हैं।

13. उत्पादों की गुणवत्ता—अच्छा, अधिक उपयोगी एवं टिकाऊ उत्पाद की माँग सदैव एवं सर्वत्र होती रहती है। जसे—स्विट्जरलैण्ड की घड़ियाँ, डेनमार्कका दुग्ध उत्पाद, जापानी कैमरा, फ्रांस की फैशन सामग्रियाँ आदि।

14. राष्ट्रीय आय—सम्पन्न देशों के लोगों की आय अधिक होने के कारण क्रय-शक्ति भी अधिक होती है तथा निर्धन देशों के लोगों की कम आय के कारण क्रय-शक्ति भी कम होती है।

प्रश्न 6. स्थिति के आधार पर पत्तन के प्रकार लिखिये।

उत्तर—स्थिति के आधार पर पत्तन के प्रकार—

1. अन्तर्देशीय पत्तन—देश के आंतरिक भागों से जुड़े होते हैं। नहरें देश के अन्दर से माल लाने-ले जाने का कार्य करती हैं। जैसे—इंग्लैण्ड का मेनचेस्टर, भारत का कोलकाता।

2. अन्तर्राष्ट्रीय पत्तन—ये समुद्र में बहुत दूर बनाये जाते हैं,छोटे-छोटे जहाजों से वहाँ तक सामान पहुँचाया जाता है। ये जल के गहरे भाग में बड़े जहाजों को केन्द्रित करके रखते हैं। इसमें एथेंस तथा यूनान का पिरेइअस मुख्य है।

Scanned with CamScanner

विशिष्टीकृत कार्यकलापों के आधार पर पत्तनों के प्रकार—

1. तैल पत्तन— खनिज तेल उसका प्रक्रमण और परिवहन का कार्य करते हैं। एशिया का अबादान, वेनेजुएला का मारकाइबो इस श्रेणी में आते हैं।

2. मार्ग पत्तन— समुद्री मार्गों पर विश्राम के लिये, ईंधन भरने के लिये, खाद्य सामग्री लेने के लिये इनका महत्व बना रहता है। इसमें सिंगापुर, होनोलूलु मुख्य हैं।

3. पैकेट स्टेशन— छोटी दूरियों को जोड़ने के लिये, डाक,यात्री आदि के परिवहन के लिये ये उपयोगी है। इसमें इंग्लैण्ड का डोबर, फ्रांस का कैलाइस मुख्य हैं।

4. आंत्रपो पत्तन— विभिन्न देशों को निर्यात की जाने वाली वस्तुयें इस केन्द्र पर एकत्रित की जाती हैं। इन्हें संग्रहण केन्द्र भी कहा जाता है। **जैसे—** सिंगापुर,रोटरडम,कोपेनहेगेन आदि।

5. नौ-सेना पत्तन— युद्ध संबंधी जहाजों को रुकने, मरम्मत करने, उनके रख-रखाव आदि के लिये इन्हें बनाया जाता है। ये सामरिक महत्व के या युद्ध पत्तन कहलाते हैं। भारत के कोच्चि, कारवाड़ इसी श्रेणी में आते हैं।

तार्किक एवं समझ पर आधारित प्रश्न

प्रश्न 1. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर अपने विचार रखिये।

उत्तर—अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार उत्पादन के विशिष्टीकरण का परिणाम है। इससे विश्व की अर्थव्यवस्था लाभान्वित होती है, क्योंकि इसमें न केवल वस्तुओं और सेवाओं का व्यापार सम्मिलित है वरन् पूँजी, व्यक्ति, तकनीक, बौद्धिक सम्पदा जैसे—पेटेन्ट्स, ट्रेडमार्क, ज्ञान एवं कॉपीराइट का भी आदान-प्रदान होता है।

आधुनिक समय में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार विश्व के आर्थिक संगठन का आधार है और राष्ट्रों की विदेश नीति से संबंधित है और लाभ प्राप्ति का माध्यम है।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के कुछ आधार निम्नलिखित हैं—(1) राष्ट्रीय संसाधन, (2) जनसंख्या, (3) आर्थिक विकास, (4) विदेशी निवेश, (5) परिवहन, (6) वस्तुओं का अभाव, (7) राजनीतिक संबंध।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दो वर्ग होते हैं—

1. द्विपक्षीय व्यापार— यह व्यापार दो देशों के मध्य होता है। यह व्यापार आपसी समझौते से निर्दिष्ट वस्तुओं के लिए होता है, जिससे यह आपस में व्यापार करते हैं।

2. बहुपक्षीय व्यापार— इस प्रकार का व्यापार बहुत से व्यापारिक देशों के साथ किया जाता है। इस व्यापार में देश का सर्वाधिक अनुकूल राष्ट्रों से व्यापारिक साझेदारों के माध्यम से व्यापार किया जाता है।

●●

इकाई 4

अध्याय 9

मानव बस्ती

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. निम्नलिखित में से कौन-सी बस्तियाँ सड़क, नदी या नहर के किनारे होती हैं—

(a) वृत्ताकार (b) रेखीय (c) चौकपट्टी (d) वर्गाकार।

2. निम्नलिखित में से किस प्रदेश में प्रलेखित प्राचीनतम नगरीय बस्ती रही है—

(a) ह्वांगहो घाटी (b) सिंधु घाटी (c) नील घाटी (d) मेसोपोटामिया।

Scanned with CamScanner

3. जलस्त्रोतों का उपयोग सिंचाई, उद्योगों के अतिरिक्त होता है—
(a) परिवहन में (b) फेंकने में (c) बगीचे में (d) गर्म करने में।
4. विकासशील देशों की जनसंख्या के सामाजिक ढाँचे के विकास एवं आवश्यकता की पूर्ति में कौन-कौन से प्रकार के संसाधन सहायक हैं—
(a) वित्तीय (b) मानवीय (c) प्राकृतिक (d) सामाजिक।
5. ग्रामीण बस्ती की मुख्य समस्या है—
(a) शिक्षा (b) स्वास्थ्य (c) धन (d) व्यापार।

उत्तर— 1. (a), 2. (a), 3. (c), 4. (a), 5. (b).

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. ग्रामीण बस्तियों की मुख्य आर्थिक क्रिया .... व्यवसाय है।
2. सन् 2006 में भारत में .... मिलियन सिटी थे।
3. जहाँ मकान पास-पास होते हैं वहाँ .... बस्तियाँ होती हैं।
4. ग्रामीण बस्तियों के मकान .... सामग्री से बनते हैं।
5. प्राचीन नगर का उत्तम उदाहरण .... नगर है।

उत्तर— 1. प्राथमिक, 2. 42, 3. सघन, 4. स्थानीय, 5. बनारस (वाराणसी)।

प्रश्न 3. उचित संबंध जोड़िये—

(अ)	(ब)
1. ग्रामीण बस्ती निर्माण	(a) चंडीगढ़
2. अपखंडित बस्ती	(b) प्रयाग
3. ग्रिड प्रतिरूप नगर	(c) आवास समस्या
4. धार्मिक नगर	(d) मकान एक-दूसरे से पृथक्
5. नगरों की मुख्य समस्या	(e) स्थानीय उपलब्ध सामग्री।

उत्तर—1. (e), 2. (d), 3. (a), 4. (b), 5. (c).

प्रश्न 4. सत्य/असत्य चुनकर लिखिये—

1. सम्पूर्ण विश्व में मानव बस्तियाँ एक ही समान पाई जाती हैं।
2. ग्रामीण निवासियों का संबंध भूमि से नहीं होता।
3. प्रकीर्ण बस्तियों को एकांकी बस्ती भी कहते हैं।
4. नगरीय बस्तियों के मकान पक्के एवं सुन्दर नहीं होते हैं।
5. नगर कोड बाजार का केन्द्र होता है।

उत्तर—1. असत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. असत्य, 5. सत्य।

प्रश्न 5. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए—

1. लोग गाँव से नगरों की ओर पलायन क्यों करते हैं ?
2. दस लाखी नगर किसे कहते हैं ?
3. बैंक, बीमा कम्पनियाँ, आढ़तें और मंडियाँ किन क्षेत्रों में अधिक होती हैं ?
4. आधुनिक नगरों की क्या विशेषतायें हैं ?
5. भारत के त्रिज्यात्मक प्रतिरूप नगर के किसी नगर का नाम लिखिये।

उत्तर—1. रोजगार की तलाश में, 2. 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगरों को, 3. व्यापारिक क्षेत्र, 4. नियोजित विकास, 5. नई दिल्ली।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. आप बस्ती को कैसे परिभाषित करेंगे ?

उत्तर—मानव आवास का वह संगठित समूह जिसमें झोपड़ी, कच्चा मकान, पक्का मकान, विशाल इमारत, फ्लैट आदि हो उसे बस्ती कह सकते हैं।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 2. बस्तियों के वर्गीकरण के क्या आधार हैं ?

उत्तर—बस्तियों के वर्गीकरण का आधार—(1) ग्रामीण (2) नगरीय

उपरोक्त विभाजन का आधार होगा— (1) आकार (2) कार्य।

प्रश्न 3. ग्रामीण बस्ती के लोगों का मुख्य व्यवसाय क्या होता है ?

उत्तर—ग्रामीण बस्ती के लोग कृषि, पशुपालन, खनन जैसे प्राथमिक व्यवसाय करते हैं।

प्रश्न 4. नगरीय बस्ती के लोग किस प्रकार के क्रियाकलापों में लगे रहते हैं ?

उत्तर—नगरीय बस्ती के लोग द्वितीयक क्रियाकलाप-निर्माण, उद्योग, परिवहन जैसे कार्यों में लगे रहते हैं।

प्रश्न 5. नियोजित बस्ती का विकास कौन करता है ?

उत्तर—सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण कर नियोजित बस्ती का निर्माण किया जाता है। सरकारी नियोजन के द्वारा नियोजित बस्ती का विकास किया जाता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. स्थान (साइट) एवं स्थिति (सिचुएशन) के मध्य अन्तर बताइये। **(NCERT)**

उत्तर— **स्थान**—जहाँ पर मानव बस्ती स्थित है वह स्थान कहलाता है।

स्थिति—आसपास के गाँवों से उस बस्ती की पहचान स्थिति कहलाती है।

प्रश्न 2. मानव भूगोल में मानव बस्तियों के अध्ययन का औचित्य बताएँ। **(NCERT)**

उत्तर—भोजन और वस्त्र के बाद मानव की तीसरी आवश्यकता निवास है। मानव निवास या आवास को ही मानव बस्ती कहते हैं। मानव बस्ती का संबंध प्राकृतिक/भौगोलिक दशाओं से होता है। इसलिये मानव बस्तियों का अध्ययन मानव भूगोल के अन्तर्गत किया जाता है।

प्रश्न 3. ग्रामीण बस्तियों की तीन समस्याएँ लिखिए।

उत्तर—ग्रामीण बस्तियों की समस्याएँ—(1) जल की पर्याप्त पूर्ति नहीं होती, (2) स्वच्छता की कमी रहती है, (3) आवागमन और संचार की समस्या रहती है।

इस प्रकार की समस्याएँ मुख्य हैं।

प्रश्न 4. किसी ऐसी युक्ति के बारे में बताइये, जिसके प्रयोग से आप अपनी बस्ती का प्रदूषण कम कर सकते हैं।

उत्तर—बस्ती प्रदूषण कम करने के उपाय—(1) उचित कूड़ा-करकट निस्तारण, (2) सार्वजनिक यातायात के साधनों का प्रयोग, (3) घरेलू पानी उपयोग का बेहतर प्रबंधन, (4) आस-पास के क्षेत्रों में वृक्षारोपण।

नोट—पर्यावरण शिक्षण के माध्यम से परियोजना को पूर्ण करें।

प्रश्न 5. ग्रामीण बस्तियों की तीन समस्याएँ लिखिए।

उत्तर—ग्रामीण बस्तियों में—(1) जल की पर्याप्त पूर्ति नहीं होती। (2) स्वच्छता की कमी रहती है। (3) आवागमन और संचार की समस्या रहती है।

इस प्रकार की समस्याएँ मुख्य हैं।

प्रश्न 6. संहत और संकीर्ण बस्ती किसे कहते हैं ?

उत्तर—जिन मानव बस्तियों में मकान एक-दूसरे से सटे हुए या पास-पास बने होते हैं उन्हें संहत बस्ती कहते हैं। संकीर्ण बस्ती में आने-जाने की पर्याप्त सुविधा भी नहीं होती है।

प्रश्न 7. नगर के प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर—नगर के अनेक प्रकार हैं—प्रशासनिक नगर, रक्षा नगर, सांस्कृतिक नगर, औद्योगिक नगर, व्यापार और परिवहन नगर उनमें मुख्य हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. ग्रामीण एवं नगरीय बस्ती किसे कहते हैं ? उनकी विशेषताएँ बताइये। **(NCERT)**

उत्तर—प्राथमिक व्यवसाय से जुड़े लोग जहाँ रहते हैं उसे ग्रामीण बस्ती कहते हैं। द्वितीयक एवं तृतीयक व्यवसाय से जुड़े लोग जहाँ रहते हैं उसे नगरीय बस्ती कहते हैं।

Scanned with CamScanner

विशेषताएँ—

ग्रामीण	नगरीय
1. इस बस्ती के लोगों का सीधा संबंध भूमि से होता है	1. यहाँ पर उद्योग, शिक्षा, व्यवसाय आदि से जुड़े लोग रहते हैं।
2. बस्ती के घर स्थानीय सामग्री से बने होते हैं।	2. यहाँ घरों का निर्माण सीमेन्ट, लोहा, टाइल्स से किया जाता है।
3. भूमि की उपलब्धता के आधार पर बस्ती में लोग रहते हैं।	3. आवास सुनियोजित और सघन बसे होते हैं।
4. कृषि आधारित उद्योगों की प्रधानता रहती है।	4. सभी प्रकार के व्यवसाय से जुड़े लोग यहाँ रहते हैं।
5. ग्रामीण बस्तियों में सहयोग व सहकारिता की भावना अधिक होती है।	5. उन्नत संस्कृति एवं सुविधा सम्पन्न लोगों का निवास रहता है।

प्रश्न 2. मानव अधिवास की समस्या का समाधान कैसे किया जाये ?

उत्तर— तीव्रगति से बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण विकासशील देशों में प्रगति के साथ-साथ ग्रामीण एवं शहरी दोनों ही क्षेत्रों में अधिवास संबंधी नित नई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं का समाधान नितांत आवश्यक है। इसके लिये निम्नांकित उपाय अपनाया जाना चाहिए—

(1) सर्वप्रथम जनसंख्या की तीव्र वृद्धि को रोकना आवश्यक है। इसके लिए जनसंख्या नियंत्रण संबंधी उपाय जैसे—परिवार नियोजन कार्यक्रम, संतति सुधार कार्यक्रम, संतान की संख्या का निर्धारण, विवाह की आयु में वृद्धि, समाज में प्रचलित अंधविश्वासों को हतोत्साहित करना, स्वास्थ्य सेवाओं एवं मनोरंजन साधनों का विस्तार आदि को अपनाया जाना चाहिए।

(2) शिक्षा की समुचित व्यवस्था हो, ऐसी व्यवस्था हो कि देश का प्रत्येक नागरिक शिक्षित हो। शिक्षा के प्रचार से जनता में जागरूकता आयेगी। उससे कई समस्याओं का समाधान स्वत: हो जायेगा।

(3) नगरीय क्षेत्रों में समस्या का एक बड़ा कारण शहर की ओर जनसंख्या का पलायन है। इस प्रवृत्ति को रोकने हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधाएँ जैसे चिकित्सा, शिक्षा, मनोरंजन एवं रोजगार के अवसर आदि का विस्तार किया जाना चाहिए।

(4) कृषकों के जीवन स्तरों को ऊँचा उठाने हेतु उनके आय स्रोत को बढ़ाना आवश्यक है। इस हेतु गाँवों में कृषि के साथ-साथ कृषि से संबंधित एवं क्षेत्र में उपलब्ध स्थानीय सामग्री के अनुरूप सहायक एवं कुटीर उद्योगों का विकास किया जाये। साथ ही श्रमिकों को इन उद्योगों से संबंधित प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए।

(5) गाँव एवं शहरों में पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाए। गंदे जल की निकासी हेतु समुचित व्यवस्था भी आवश्यक है। जनता को जल संरक्षण एवं जल संचयन के उपायों से परिचित किया जाना भी नितांत अनिवार्य है।

(6) बस्तियाँ क्रमबद्ध एवं व्यवस्थित हों। मकान स्वच्छ एवं हवादार हों, प्रकाश की समुचित व्यवस्था हो।

(7) आवागमन के साधनों का विकास किया जाए। प्रत्येक गाँवों को सड़क एवं रेलमार्ग द्वारा निकटवर्ती शहरों से जोड़ा जाए।

(8) आम जनता में पर्यावरण संरक्षण के प्रति विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए।

(9) सम्पूर्ण देश में एक जैसे कानून व्यवस्था हो।

प्रश्न 3. विकासशील देशों में नगरीय बस्तियों की समस्याओं की विवेचना कीजिए। (NCERT)

उत्तर— नगरीय बस्तियों की समस्यायें विकासशील देशों में अधिक व जटिल हैं। प्रमुख समस्याएँ निम्नांकित हैं—(1) नगरों की जनसंख्या में बेतहाशा वृद्धि, (2) मकानों की कमी, (3) झोपड़पट्टी समस्या, (4) जीवनयापन की सुविधाओं में कमी, (5) कानून एवं व्यवस्था की समस्या, (6) नगरों की साफ-सफाई की समस्या, (7) स्वास्थ्य सुविधाओं में कमी, (8) शुद्ध पेयजल की कमी, (9) परिवहन साधनों पर भारी दबाव।

उपर्युक्त सभी समस्याएँ प्राय: सभी बड़े नगरों यथा कराँची, मुम्बई, दिल्ली, ढाका, बीजिंग आदि में पाई जाती हैं। प्राय: लोग रोजगार की तलाश में नगरों की ओर पलायन या स्थानान्तरण करते हैं अत: वहाँ लोगों की भीड़ हो जाती है। नगरों में मकानों की कमी तो होती ही है, इस भीड़ को सोने के लिये भी स्थान नहीं मिल पाता है। ये लोग सड़कों के किनारे तथा फुटपाथों पर ही रात गुजारते हैं। बहुत से लोग नगरों के किनारे झोपड़पट्टी बनाकर रहने लगते हैं जिससे अनेक गम्भीर समस्यायें उत्पन्न हो जाती हैं। चारों ओर प्रत्येक क्षेत्र में जीवनयापन के साधनों में कमी होती जाती है। कानून व्यवस्था की समस्या जटिल हो जाती है। पेयजल की कमी हो जाती है।

प्रश्न 4. ग्रामीण बस्ती के प्रमुख प्रतिरूपों का वर्णन कीजिये।

उत्तर—ग्रामीण बस्तियों के प्रतिरूप इस प्रकार हैं—

(1) आयताकार अथवा चौक पट्टी प्रतिरूप—इन बस्तियों का विकास प्राय: चौराहे पर होता है। इनमें सड़कें एवं गलियाँ सीधी एवं एक-दूसरे को समकोण पर काटती हुई होती हैं। भारत में गंगा के मैदान तथा चीन के उत्तरी मैदान में अधिकांश गाँव इसी प्रकार के पाये जाते हैं।

(2) रेखीय प्रतिरूप—जब किसी गाँव का विकास किसी सड़क मार्ग, नदी या नगर के किनारे-किनारे होता है, तो गाँवों का आकार एक रेखा के समान होता है। इनमें गलियाँ समान्तर होती हैं। मकान एक-दूसरे से सटे होते हैं।

(3) त्रिभुजाकार प्रतिरूप—इस प्रकार का प्रतिरूप सड़कों के मिलन स्थल या नदियों के संगम स्थल पर होता है। ये नदी या सड़कों के मिलने से बने त्रिभुजाकार भूखण्ड पर विकसित हो जाते हैं। पर्वतीय प्रदेश में सड़क तथा नदी के मध्य त्रिभुजाकार क्षेत्र में ऐसे कई गाँव पाये जाते हैं।

(4) अरीय प्रतिरूप —जिस स्थान पर कई दिशाओं से सड़कें आकर मिलती हैं तो इस मिलन स्थल को केन्द्र बनाकर इससे निकले मार्गों के किनारे-किनारे मकान बनते जाते हैं। इससे एक अरीय आकार में गाँव बन जाते हैं। अरीय प्रतिरूप और अधिक विकसित हो जाने पर तारा प्रतिरूप में परिणित हो जाता है।

(5) सीढ़ीनुमा प्रतिरूप—पर्वतीय ढालों पर विभिन्न ऊँचाइयों पर बने मकानों के गाँव सीढ़ीनुमा आकार के बन जाते हैं।

(6) वृत्ताकार प्रतिरूप—झील या तालाब के चारों ओर किनारे-किनारे बस्ती बस जाती है, जिससे गाँव का स्वरूप गोलाकार हो जाता है।

(7) चौका पट्टी प्रतिरूप—मैदानी भागों में जहाँ पर दो सड़कें एक-दूसरे को समकोण पर काटती हुई आगे बढ़ जाती हैं तो इनकी चारों शाखाओं के किनारे चौका पट्टी के रूप का गाँव बस जाता है।

(8) तारक प्रतिरूप —इन बस्तियों का विकास उन स्थानों पर होता है जहाँ विभिन्न दिशाओं से सड़कें आकर मिलती हैं तथा विभिन्न दिशाओं को जाती हैं।

(9) तीर प्रतिरूप—किसी अन्तरीप के सिरे पर या नुकीले मोड़ पर तीर प्रतिरूप वाली बस्ती विकसित होती है। जैसे—दक्षिण भारत में कन्याकुमारी गाँव।

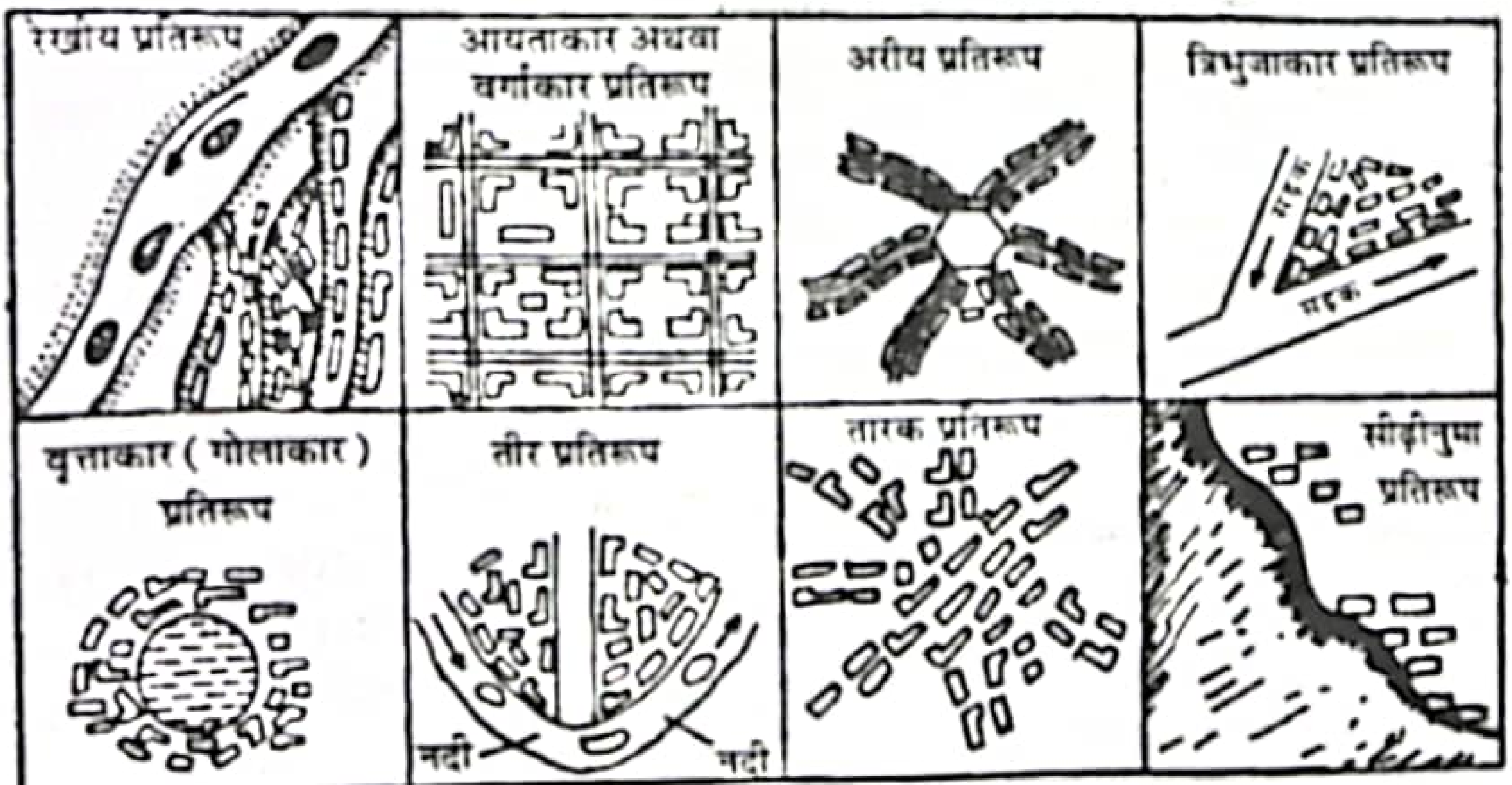

चित्र—ग्रामीण बस्तियों के प्रतिरूप

प्रश्न 5. सन्ननगर मिलियन सिटी का वर्णन कीजिए।

उत्तर—अलग-अलग नगरों या शहरों के आपस में मिल जाने से एक विशाल नगरीय क्षेत्र बनता है उसे सन्ननगर कहते हैं। जिन नगरों की संख्या एक मिलियन या इससे अधिक हो उसे मिलियन सिटी कहते हैं। वर्तमान समय में इनकी संख्या बढ़कर 438 हो गयी है।

प्रश्न 6. ग्रामीण बस्तियों की क्या समस्याएँ हैं ?

उत्तर—ग्रामीण बस्तियों की समस्याएँ निम्नलिखित हैं—(1) जल की पर्याप्त पूर्ति नहीं होती। दूर से जल लाना पड़ता है। (2) जल से उत्पन्न बीमारियाँ हैजा, पीलिया आदि का प्रभाव अधिक रहता है। (3) बाढ़ और सूखे का सामना अधिक करना पड़ता है। (4) स्वच्छता की कमी रहती है। (5) स्थानीय सामग्री से निर्मित मकान वर्षा में त्रासदायक हो जाते हैं। (6) कृषि ही एकमात्र जीवन का आधार होती है। (7) कच्ची सड़कों के कारण आवागमन और संचार में बाधा उत्पन्न होती है। (8) स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी समस्यायें रहती हैं। (9) कहीं-कहीं जंगली जानवरों का भी भय रहता है।

तार्किक एवं समझ पर आधारित प्रश्न

प्रश्न 1. 'मानव आवास' का आशय स्पष्ट कर इसके महत्व को समझाइये।

उत्तर—मानव आवास या अधिवास मानव की मूलभूत आवश्यकताओं में उच्चतम स्थान रखता है। मानव जिस स्थान पर रहकर अपना जीवनयापन करता है या जिस स्थल को अपने परिवारों के साथ स्थायी अथवा अस्थायी तौर पर निवास के रूप में प्रयुक्त करता है, उसे अधिवास या बस्ती कहते हैं।

मानव को शारीरिक एवं मानसिक श्रम के बाद थककर आराम की इच्छा होती है और उसे किसी आश्रय स्थल की आवश्यकता होती है। यह आश्रय स्थल कोई विशाल इमारत, झोपड़ी, मकान या छप्पर के रूप में हो सकता है, यही अधिवास कहलाता है। अधिवास के अन्तर्गत मकान, भवन, विशालकाय इमारतें ही सम्मिलित नहीं हैं, वरन् घास-फूँस की बनी हुई झोपड़ियाँ, कच्ची मिट्टी, पत्थरों, खपरैल, लकड़ी और टेन्ट आदि से निर्मित आवास भी सम्मिलित हैं।

हडसन ने आवास की परिभाषा देते हुए कहा है, "भूमि का वह भाग जो मानव बसाव के उद्देश्य से प्रयुक्त किया जाता है, मानवीय अधिवास कहलाता है।"

●●

भाग-ब

इकाई 5

अध्याय 10

जनसंख्या — वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. **निम्नलिखित राज्यों में से किस एक में जनसंख्या का घनत्व सर्वाधिक है—**
   (a) पश्चिम बंगाल (b) केरल (c) उत्तर प्रदेश (d) पंजाब।
2. **सन् 2011 की जनगणना के अनुसार निम्नलिखित में से किस राज्य में नगरीय जनसंख्या का अनुपात सर्वाधिक है—**
   (a) तमिलनाडु (b) महाराष्ट्र (c) केरल (d) गोवा।
3. **भारत की सर्वाधिक जनसंख्या बसी है—**
   (a) पहाड़ों पर (b) मैदानों पर (c) डेल्टाई प्रदेशों में (d) जंगलों में।
4. **जनसंख्या वृद्धि का एक कारण है—**
   (a) सामाजिक सुरक्षा (b) भय (c) पीड़ा (d) कृषि।

उत्तर— 1. (c), 2. (c), 3. (b), 4. (a).

Scanned with CamScanner